CNEWS मिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-134
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

मिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 18 अगस्त 2024

आज का विचार

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं, माथे के पसीने में होती है!

सिंगल कॉलम

प्राथमिकी दर्ज करने से पहले सरकारी राय जरूरी नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के हालिया आदेश पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने पुलिस को जारी आदेश में कहा था कि अगर किसी मामले में धोखाधड़ी, ठगी या आपराधिक विश्वासघात की प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करनी हो और वह मामला नागरिक विवाद का लग रहा हो, तो पहले सरकार की कानूनी राय ली जाए। जस्टिस सी.टी. रविकुमार और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका पर यह आदेश दिया। पीठ ने हाईकोर्ट के फैसले के कुछ हिस्सों पर रोक लगा लगा दी, जिनमें कई निर्देश जारी किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 14 अगस्त को कहा, चार हफ्तों में नोटिस जारी करें। 18 अप्रैल, 2024 के आदेश के पैरा 15 से 17 का क्रियान्वयन अगली तारीख तक स्थगित रहेगा। उत्तर प्रदेश सरकार (यूपी) ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। जिसमें आदेश की अवहेलन करने पर अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी।

राजस्थान के 100 अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के 100 से यादा हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। 18 अगस्त को धमकी भरा मेल मिलने ही हड़कंप मच गया। हॉस्पिटल प्रबंधन के होश उड़ा दिए। मेल में लिखा है कि हॉस्पिटल के बेड के नीचे और बाथरूम के अंदर बम है। हॉस्पिटल में मौजूद सभी लोग मारे जाएंगे। हर तरफ खून ही खून होगा। तुम सभी लोग मौत के ही लायक हो। मेल करने वाले ने खुद की पहचान लखा आतंकवादी चिंग और कल्टिस्ट के रूप में उजागर की है। जयपुर के सेक्टर 4 में स्थित मोनिलेक हॉस्पिटल, गोपालपुरा मोड़ स्थित सीके बिरला हॉस्पिटल, जवाहर नगर स्थित मोनी लेक अस्पताल सहित राजस्थान के 100 से यादा हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। रविवार सुबह साढ़े आठ बजे आए धमकी भरे मेल से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची और सर्च शुरू किया। एडिशनल पुलिस कमिश्नर का कहना है कि हॉस्पिटलों से अभी जानकारी मिली है। एटीएस और बम निरोधक दस्ता के अधिकारियों को भेजा है। अस्पतालों में सर्च चल रहा है।

दिल्ली पहुंचे चंपई सोरेन, आज ही भाजपा में हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता चंपई सोरेन भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं? अटकलों के बीच ताजा जानकारी यह है कि चंपई सोरेन कोलकाता से नई दिल्ली पहुंच गए हैं। वे एयर इंडिया की फ्लाइट UAI-0769 से दिल्ली पहुंचे। उनके साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा के कुछ विधायक भी हैं।अटकलों के मुताबिक, सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो आज दोपहर 3 बजे चंपई सोरेन अपने समर्थक तीन JMM विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो जाएंगे। उनके समर्थक 3 विधायकों के नाम- समीर मोहंती, रामदास सोरेन और लोबिन हेम्ब्रम बताए गए हैं। कहीं-कहीं उनके साथ पाला बदलने वाले विधायकों की संख्या 6 बताई जा रही है। झारखंड में मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को समाप्त हो रहा है। पिछला विधानसभा चुनाव दिसंबर 2019 में हुआ था। माना जा रहा है कि नवंबर या दिसंबर में महाराष्ट्र के साथ झारखंड में भी विधानसभा चुनाव हो सकता है।

देशभर में हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं ठप, ओपीडी बंद, सर्जरी की तारीख बढ़ाई

कोलकाता कांड पर फूटा डॉक्टरों का गुस्सा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की हत्या के मामले में देशभर के डॉक्टरों का गुस्सा उफान पर है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा देशव्यापी हड़ताल की घोषणा के बाद शनिवार को भी देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं पर असर रहा। आपात सेवाओं को छोड़ ओपीडी बंद रहीं, जबकि वैकल्पिक सर्जरी को भी टाल दिया गया। आईएमए के इस हड़ताल का असर कई राज्यों में दिखने लगा है। केरल, झारखंड, नगालैंड में डॉक्टरों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावित हुई। आईएमए ने कहा है कि कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में हुए जघन्य अपराध और अस्पताल में तोड़फोड़ के विरोध में शनिवार सुबह 6 बजे से रविवार सुबह 6 बजे तक 24 घंटे के लिए देशभर में डॉक्टर हड़ताल पर रहे। आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरवी अशोकन ने कहा कि डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। मृत महिला डॉक्टर के लिए न्याय और डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून जैसी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे। आईएमए के 3.30 लाख से ज्यादा डॉक्टर सदस्य हैं।

मप्र हाईकोर्ट सख्त, कहा- तरीका कतई ठीक नहीं, डॉक्टर 20 तक वापस लें हड़ताल

भोपाल। मप्र में डॉक्टरों की हड़ताल को लेकर कुछ लोगों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इस मसले पर सुनवाई करते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया और जूनियर डॉक्टर्स को हड़ताल खत्म करने के लिए कहा। अदालत की ओर से कहा गया कि डॉक्टर 20 अगस्त तक अपनी हड़ताल वापस लें। इस मामले की सुनवाई एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच में हुई। अदालत ने सुनवाई के दौरान तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि हड़ताल का तरीका कतई ठीक नहीं है। अगर किसी की जान निकल रही होगी, तो कहिएगा दो दिन बाद दवाई देंगे? हाईकोर्ट ने डॉक्टरों की काम पर लौटने की सलाह दी है। इस मामले में जूडा एसोसिएशन ने जवाब पेश करने के लिए वक्त मांगा है। इससे पहले मध्यप्रदेश के शासकीय स्वशासी चिकित्सक महासंघ ने कहा, हम चाहते हैं कि देश में समान कानून बने। हाईकोर्ट के रुख को लेकर हम आश्चर्यचकित हैं। देश में आंदोलन चल रहा हो, जहां इतनी बड़ी घटना हो गई है।

झारखंड में भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

कोलकाता के सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की ओर से 24 घंटे की हड़ताल से झारखंड में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं। आईएमए के प्रदेश सचिव डॉक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि रविवार सुबह छह बजे तक स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहेंगी। उन्होंने कहा, ह्लहम प्रशिक्षु चिकित्सक के लिए न्याय की मांग करते हैं और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में की गई तोड़फोड़ की निंदा करते हैं।

नागालैंड में भी डॉक्टरों की हड़ताल जारी

नगालैंड में भी शनिवार को डॉक्टर्स हड़ताल पर चले गए जिससे राज्यभर में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं। आईएमए नगालैंड स्टेट ब्रांच, नगालैंड इन-सर्विस डॉक्टर्स एसोसिएशन और इंडियन डेंटल एसोसिएशन नगालैंड स्टेट ब्रांच ने सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सभी सेवाएं बंद रखने की घोषणा की।

गोवा में भी हड़ताल जारी

गोवा में निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों और प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टर्स भी शनिवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल हुए। आईएमए गोवा के अध्यक्ष डॉ. संदेश चोडानकर ने कहा कि उनके सभी सदस्य शनिवार सुबह छह बजे से विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए हैं जो 24 घंटे तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि इससे आपातकालीन सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। आईएमए के सदस्यों ने शनिवार को आजाद मैदान से ओल्ड गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भवन तक मौन विरोध मार्च की भी योजना बनाई है।

स्कूल शिक्षा मंत्री बोले- प्रदेश में नहीं बिगड़ने देंगे धार्मिक व्यवस्था

भोपाल। मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मदरसों में हिंदू बच्चों के दाखिले को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि फरवरी महीने से शिकायतें आ रही थीं कि मदरसों में हिंदू बच्चे पढ़ रहे हैं। शिकायतों की जांच में पता चला कि मदरसे कागजों में चल रहे हैं और हजारों की संख्या में मदरसों में हिंदू बच्चे पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जबरन कोई धर्म किसी दूसरे धर्म की तालीम नहीं दे सकता है, ऐसे में नियमों का उल्लंघन है। स्कूल शिक्षा विभाग में धारा 18, 3 की उपयोग करते हुए आदेश जारी किया है और मुख्यमंत्री की तरफ से मार्गदर्शन मिला है। उन्होंने कहा कि धार्मिक व्यवस्था मध्य प्रदेश में नहीं बिगड़ने दी जाएगी। बता दें मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय बाल आयोग के आकड़ों के अनुसार करीब 18 सौ मदरसे रजिस्टर है। इनमें करीब 9 हजार हिंदू बच्चे पढ़ रहे हैं। इन आकड़ों के बाद शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को मदरसों की जांच के आदेश दिए थे। जिसमें सामने आया कि मदरसों में हिंदू बच्चों को दीनी तालीम दी जा रही है। मध्यप्रदेश में मदरसा को लेकर जारी सियासत के बीच राष्ट्रीय बाल आयोग के आंकड़े में चौंकाने वाले खुलासे हुए है। इन आंकड़ों में दावा किया गया की मध्यप्रदेश में 1,755 पंजीकृत मदरसों में 9,417 हिंदू बच्चे पढ़ रहे हैं। आंकड़े सामने आने पर शिक्षा विभाग ने डीईओ को मदरसों के जांच के निर्देश दिए है। जांच में पता चला कि हिंदू बच्चों को दीनी तालीम दी जा रही है। जांच में यह भी सामने आया कि कई मदरसों में समग्र आईडी जुटा कर फर्जी तरीके से बच्चों को दाखिला कराया है। दरअसल 100 बच्चे वाले मदरसे को सरकार की तरफ से 50 हजार रुपए से 60 हजार रुपए का अनुदान मिलता है। हाल ही सरकार की तरफ से श्योपुर में 56 मदरसों की मान्यता रद्द करने की कार्यवाही भी की गई।

चुनाव से एक महीने पहले दुष्यंत चौटाला को झटका 24 घंटे में चार विधायकों ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव से एक महीने पहले दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) को एक बड़ा झटका लगा है। पार्टी के 10 में से चार विधायक- ईश्वर सिंह, रामकरण काला, देवेंद्र बाबली, और अनुप धानक ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इनमें से अनुप धानक ने पहले ही पार्टी छोड़ दी थी, जबकि ईश्वर सिंह, रामकरण काला और देवेंद्र बाबली ने आज पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी जिम्मेदारियों से इस्तीफा दिया है। ये विधायक अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। बताते चलें कि हरियाणा में भाजपा और कांग्रेस ने इस बार के लोकसभा चुनाव में पांच-पांच सीटें जीतने में कामयाब रहीं। दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जेजेपी के लिए यह स्थिति कठिन हो गई है, क्योंकि पार्टी की स्थिति विधानसभा में कमजोर हो गई है।

आईएमएफ की प्रथम उप प्रबंध निदेशक ने कहा- जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए देश को 2030 तक 14.8 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां पैदा करने की जरूरत

नौकरियां देने में जी 20 देशों से बहुत पीछे है भारत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने शनिवार को कहा कि भारत रोजगार सृजन के मामले में जी-20 देशों में पिछड़ा हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए देश को 2030 तक 14.8 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के हीरक जयंती कार्यक्रम में कहा कि 2010 से शुरू होने वाले दशक में भारत की औसत वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रही, लेकिन रोजगार दर दो प्रतिशत से कम रही। गोपीनाथ ने कहा कि इसलिए भारत की रोजगार दर, अन्य जी-20 देशों की तुलना में काफी कम है। उन्होंने कहा, यदि आप जनसंख्या वृद्धि के लिहाज से भारत के अनुमानों को देखें, तो भारत को अब से लेकर 2030 तक कुल मिलाकर छह करोड़ से 14.8 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां पैदा करनी होंगी... हम पहले से ही 2024 में हैं, इसलिए हमें कम समय में बहुत सारी नौकरियां पैदा करनी होंगी। इसके लिए भूमि सुधार और श्रम संहिताओं को लागू करने सहित बुनियादी सुधारों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि अधिक नौकरियां पैदा करने के लिए निजी निवेश में वृद्धि की जरूरत है, क्योंकि यह सकल घरेलू उत्पाद में सात प्रतिशत वृद्धि के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निवेश अच्छा चल रहा है, लेकिन निजी निवेश में सुधार करना होगा। गोपीनाथ ने यह भी कहा कि भारत को अपनी शिक्षा प्रणाली में सुधार करना चाहिए, ताकि वह अपने कार्यबल का कौशल विकास कर सके।

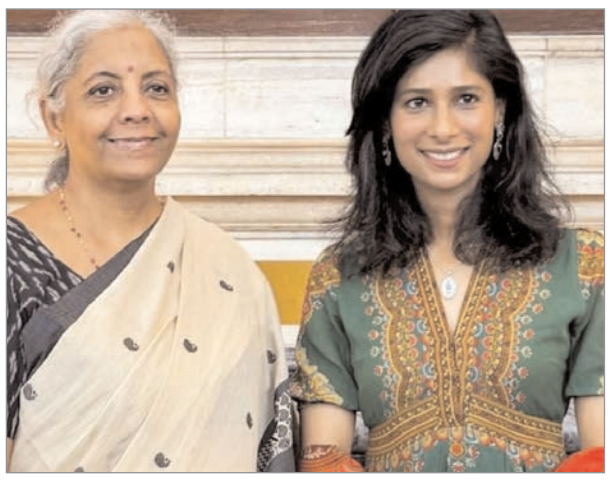

पं. मिश्रा की कावड़ यात्रा में पहुंचें लाखों वाहन चालक जाम से हुए परेशान

व्यवस्था पर सवाल : आम लोगों सहित मरीज तक राजमार्ग छोड़ गांव की संकरी सड़क से निकलने को हुए मजबूर

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा शनिवार को निकाली गई विशाल कावड़ यात्रा के दौरान सड़कों पर लगे जाम से लोग परेशान होते रहे। यात्रा में शामिल होने के लिए लाखों की तादाद में श्रद्धालु दूर-दूर से सीहोर पहुंचे। आम यात्रियों से लेकर बीमार मरीजों तक को राजमार्ग छोड़ छोटे से गांव के सिंगल-रोड पर डायवर्ट किया गया। इस व्यवस्था पर कई सवाल खड़े हुए हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई। कावड़ यात्रा में शामिल होने के लिए देश के कई हिस्सों से शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। शहर की सड़कों पर चारों तरफ श्रद्धालु ही श्रद्धालु नजर आ रहे थे। कांवड़ यात्रा इंदौर-भोपाल हाईवे से होते हुए कुबेरेश्वर धाम पहुंची, जिसकी वजह से इस हाइवे पर जाम के हालात बने। यात्री घण्टों की देरी और जाम झेलने को मजबूर हुए।

एक दिन पहले ही पहुंचने लगे थे श्रद्धालु, रात में लगा 3 किलोमीटर लंबा जाम

जानकारी के मुताबिक, कावड़ यात्रा के चलते निकलने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना भी करना पड़ा। बीती रात्रि को सीहोर भोपाल हाईवे के अमला हा के पास 3 किलो मीटर लंबा जाम लग गया था। कावड़ यात्रा में शामिल होने के लिए श्रद्धालु एक दिन पहले ही पहुंच गए थे, जिसके चलते शुक्रवार रात्रि को हाईवे पर जाम की स्थिति बनी और वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

हादसों के बावजूद प्रशासन दे रहा अनुमति

कुछ दिनों पहले पंडित प्रदीप मिश्रा राधा रानी पर विवादित बयान देकर मुश्किलों में फंस गए थे। वृंदावन के साधुओं और कृष्ण भक्तों की मांग के बाद पंडित मिश्रा को नाक रगड़कर माफी मांगनी पड़ी थी। पं. प्रदीप मिश्रा की कथा में लाखों की तादाद में श्रद्धालु पहुंचते हैं। कई बार भगदड़ की वजह से हादसों की खबरें सामने आती हैं। इसके बावजूद भी प्रशासन बार-बार कथावाचक को धार्मिक आयोजन की अनुमति दे रहा है।

धूमधाम से निकली कावड़ यात्रा

पंडित मिश्रा ने सीवन नदी घाट से नदी का जल लेकर कावड़ यात्रा की शुरूआत की। कावड़ यात्रा में शामिल होने के लिए देश के कई हिस्सों से शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालु डीजे की धुन पर भजनों पर जमकर थिरकते हुए नजर आए। अनेकों जगह कावड़ यात्रा का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पहले से ही तैनात था। वहीं प्रदीप मिश्रा ने कहा कि 72 वर्षों में ऐसा सावन आया है, जिसकी कावड़ यात्रा निकाली जा रही है।

CNEWS मिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे

9755996590

सिंगल कॉलम

चांदीपुरा वायरस के संदिग्ध मरीज की अस्पताल में मौत

इंदौर। इंदौर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट चांदीपुरा वायरस के संदिग्ध मरीज 22 वर्षीय खरगोन निवासी युवक की मौत हो गई है। खरगोन सीएमएचओ डॉक्टर एमआर सिसोदिया ने इसकी पुष्टि की है। एक हफ्ते पहले उसका सैंपल जांच के लिए पुणे लैब भेजा गया था जिसकी रिपोर्ट अब तक नहीं आई हैं। रिपोर्ट आने के बाद अगर पुष्टि हो होती है तो यह मध्य प्रदेश में चांदीपुरा वायरस का पहला मामला होगा। मामला कसरावद क्षेत्र के पीपलगोन में रहने वाले 22 वर्षीय युवक का है। पिछले शनिवार को उसे इंदौर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। इस पर इंदौर स्वास्थ्य विभाग ने खरगोन सीएमओ को सूचना दी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार दोपहर पीपलगोन में सघन सर्वे भी किया। यहां टीम को अन्य कोई संदिग्ध मरीज नहीं मिला था। चांदीपुरा वायरस के संदिग्ध मरीज का मामला सामने आने के बाद खरगोन सीएमएचओ डॉ. एमएस सिसोदिया और इंदौर सीएमएचओ डॉ. बीएस सेतिया ने कहा था कि मरीज चांदीपुरा वायरस सस्पेक्टेड है। एक सप्ताह में रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। लेकिन जांच रिपोर्ट आने के पहले ही युवक की मौत हो गई। इसके संक्रमण से एन्सेफलाइटिस होने का खतरा होता है। इसका अर्थ है कि वायरस के संक्रमण से मस्तिष्क के टिश्यूज में सूजन या जलन होने लगती है। आमतौर पर तेज बुखार इसका शुरूआती लक्षण होता है।

इंदौर में शिव पालकी यात्रा के दौरान जेब कटी

इंदौर। इंदौर के एमआइजी थाना क्षेत्र में शिव पालकी यात्रा में स्वागत के दौरान एक युवक की जेब कट गई। जेब में एक लाख रुपए रखे थे। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। एमआइजी थाना पुलिस ने फरियादी अखिलेश राय उम्र 22 साल निवासी अंबिका नगर की शिकायत पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना 12 अगस्त की है। युवक ने पुलिस को बताया कि वो अटल द्वार से निकलने वाली शिव पालकी यात्रा के लिए लगे स्वागत मंच पर स्वागत करने चढ़ा था। उसकी जेब में 1 लाख 700 रुपए नकद रखे थे। स्वागत करने के दौरान अज्ञात व्यक्ति उसकी जेब से रुपए चुरा ले गया। पुलिस ने युवक की शिकायत पर मामला दर्ज किया है।

शेयर मार्केट इनवेस्टमेंट बताकर 5 लाख रु. हड़पे

इंदौर। इंदौर की एमआईजी पुलिस ने उत्तर प्रदेश के एक युवक की शिकायत पर 4 मोबाइल नंबर और 2 अकाउंट होल्डर पर कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने मुनाफे के नाम पर डी-मेट अकाउंट खुलवाया था। रुपए दोगुना करने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपए ठगे थे। एमआईजी पुलिस के मुताबिक मोहम्मद इमरान पुत्र इकबाल अहमद निवासी बुदावा थाना घुपुर जिला प्रयागराज की शिकायत पर पुलिस ने मोबाइल नंबर और अकाउंट नंबरों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया है। इमरान इंदौर के मालवा मिल इलाके की किंग होटल में ठहरा हुआ था। वह निजी कंपनी में कार्यरत है। उसने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने बालाजी इक्विटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में शेयर मार्केट में रुपए लगाने की बात कही थी। 4 लाख 75 हजार की धोखाधड़ी की गई। पुलिस के अनुसार, बालाजी कंपनी की तरफ से फरियादी इमरान को मुंबई के लोढ़ा सुप्रीम, डॉ. ई मोसिस रोड़ साउथ वर्ली नाका का पता दिया गया। वहां आफिस नहीं मिला। आसपास के लोगों से पूछताछ की तो इस तरह की कंपनी होने की बात से इनकार किया। यहां से अनूप नगर इंदौर का पता दिया गया।

तरक्की के रास्ते खोलेंगे इंदौर-हरदा और इंदौर-खंडवा रोड

इंदौर। मध्य प्रदेश के लोगों के लिए खुशखबरी है। इंदौर को विकसित करने के लिए केंद्रीय सड़क और राजमार्ग मंत्रालय से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है। इनमें सबसे खास इंदौर-हरदा और इंदौर-खंडवा रोड की सड़क है, जो शहर की तरक्की के रास्ते खोलेगी। वैसे तो ये प्रोजेक्ट समय से थोड़ा लेट चल रहा है। एनएचएआई मार्च 2025 के आसपास का लक्ष्य तय करके काम कर रहा है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुमेश बांझल ने बताया कि किसी कारणवश प्रोजेक्ट में देरी हुई, लेकिन एनएचएआई के प्रोजेक्ट्स पर काम अब तेजी से चल रहा है। इंदौर-हरदा, इंदौर-खंडवा रोड और एमआर 10 ब्रिज का तय लक्ष्य के हिसाब से काम किया जा रहा है इंदौर-हरदा मार्ग 1011 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा है। इसे 31 मार्च 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस कार्य का डामरीकरण चल रहा है। 16 किमी तक टू लेन तो 8 डट तक 4 लेन का डामरीकरण हो चुका है। इसका सीधा जुड़ाव नागपुर से होगा। इंदौर-खंडवा रोड को 1163 करोड़ लागत से तैयार किया जा रहा है। इसे भी मार्च 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसका तेजाजी नगर से बलवाड़ा तक की 33 डट की सड़क में तीन टनल का काम चल रहा है। 17 डट डामरीकरण हो गया है। वहीं एमआर 10 थ्री लेयर ब्रिज है। इसकी लागत 80 करोड़ है, जिसे मार्च तक पूरा होना है। इंदौर में यह आधुनिक थ्री लेयर ब्रिज आकर्षण का केंद्र रहेगा। एमआर 10 जंक्शन पर बन रहे ब्रिज का बेसिक स्ट्रक्चर खड़ा हो गया है।

कंसल्टेंट के साथ आयुष डॉक्टरों ने संभाली ओपीडी, निजी अस्पतालों में रही बंद

सरकारी अस्पतालों में पहुंचे आधे से भी कम मरीज

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर में शनिवार को भी जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल के चलते आयुष विभाग और मेडिकल कॉलेज के दूसरे कंसल्टेंट को ओपीडी ड्यूटी पर लगाया गया है। इंदौर के सरकारी अस्पताल में सभी विभाग की ओपीडी शुरू है। वहीं प्राइवेट अस्पतालों की ओपीडी बंद रखी गई है जबकि एडमिट मरीजों का इलाज किया जा रहा है। जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल के चलते सरकारी हॉस्पिटल में रोजाना की तुलना में आधे से कम मरीज पहुंचे।

जूनियर डॉक्टर की हड़ताल का इंदौर में व्यापक असर देखने को मिला। इंदौर के एमवाय अस्पताल और उससे जुड़े अस्पतालों में रोज 4 से 5 हजार ओपीडी रहती है। शनिवार को यह घटकर करीब 1100 रही। यानी 75त्न ओपीडी ओपीडी घटी है। इमरजेंसी के सभी 6 ऑपरेशन किए गए। सुपरिनटैंडैंट डॉ. अशोक यादव ने बताया कि शनिवार को ओपीडी कन्सलटेंट्स ने संभाली। किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी गई। सभी जरूरी ऑपरेशन और इलाज किया गया। एडमिट मरीजों का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इससे पहले एमवाय हॉस्पिटल के सुपरिनटैंडैंट डॉ अशोक यादव ने सुबह हॉस्पिटल में पहुंच व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीज से बातचीत की। डॉ अशोक यादव ने कहा कि अभी सभी यूनिट में कंसल्टेंट मरीजों को देख रहे हैं। फिलहाल समस्या जैसी कोई बात नहीं है। वहीं मध्य प्रदेश नर्सिंग होम एसोसिएशन के सेक्रेटरी डॉक्टर सुनील बारोड ने बताया कि सभी प्राइवेट अस्पतालों की ओपीडी बंद रखी गई है, जबकि एडमिट मरीजों का इलाज किया जा रहा है। शनिवार दोपहर एमजीएम मेडिकल कॉलेज के सामने जूनियर डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया और कार्रवाई की मांग की। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र पाटीदार ने कहा कि सरकार को डॉक्टरों की सुरक्षा पर कोई चिंता नहीं हैं। डॉक्टर प्रोटेक्शन एक्ट लाकर सभी जगह लागू करना चाहिए। जब तक कोई समाधान नहीं मिलता हमारा विरोध जारी रहेगा। दरअसल, कोलकाता रेप-मर्डर केस के विरोध में जूनियर डॉक्टरों के साथ मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के बाद अब नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन मध्यप्रदेश, एमपी नर्सिंग होम एसोसिएशन, एमपी डेंटल एसोसिएशन सहित कई एसोसिएशन ने मैदान पकड़ लिया है। सभी ने 17 अगस्त को ओपीडी में केस नहीं देखेंगे की बात कही थी। इसी तरह सभी प्राइवेट डॉक्टर ने क्लिनिक भी बंद करने के साथ सिर्फ इमरजेंसी केस पर काम करने की बात कही थी। इंडियन डेंटल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अमित रावत, अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन , जिला शाखा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र शर्मा ने बताया कि अगर अभी ठोस कदम नहीं उठाया तो यह विभीषिका किसी को भी निगल सकती है। इंदौर जनरल प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश कनकने ने बताया कि एसोसिएशन विरोध का समर्थन करता है। रविवार सुबह 6 बजे तक सेवाएं नहीं देंगे। प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन ने भी समर्थन करते हुए सभी डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग की है।सुरक्षा के नाम पर डॉक्टरों की सरकार ने नहीं की चिंता कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई अमानवीय घटना के खिलाफ इंदौर में भी लगातार डाक्टर आंदोलन कर रहे है। शुक्रवार को डाक्टरों ने कैंडल मार्च निकाला था। शनिवार को फिर आंदोलन हुआ। जूनियर डाक्टरों ने मरीजों को नहीं देखा।

सरकारी अस्पतालों की ओपीडी आयुष डाक्टरों के भरोसे रही। निजी अस्पतालों की ओपीडी भी शनिवार को बंद रही। अस्पतालों में भती मरीजों को जरुर देखा गया। जूनियर डाक्टरों ने पहले ही काम नहीं करने की घोषणा की थी। इसका असर यह रहा है कि रोज की तुलना में एमवाय अस्पताल में शनिवार को कम मरीज पहुंचे। एमवाय अस्पताल में प्रतिदिन चार हजार से ज्यादा मरीज ओपीडी में पहुंचते है। अस्पताल प्रबंधन ने वैकल्पिक व्यवस्था की थी, लेकिन इलाज के लिए आने वाले मरीज परेशान देखे गए। दोपहर में आईएमए और मध्य प्रदेश नर्सिंग होम एसोसिएशन के पदाधिकारी एमवाय अस्पताल पहुंचे और जूनियर डाक्टरों के प्रदर्शन का समर्थन किया। निजी अस्पतालों में भी डाक्टरों ने ओपीडी में मरीज नहीं देखे। अस्पतालों में भर्ती मरीजों को देखने के लिए जरुर डाक्टरों ने वीजिट की। जूनियर डाक्टरों ने परिसर में एकत्र होकर नारेबाजी। महिला डाक्टरों के हाथ में तख्तियां भी थी। डाक्टरों का कहना था कि सरकार के कहने पर डाक्टर गांवों में जाकर इलाज करते है, लेकिन सुरक्षा के नाम पर कभी चिंता नहीं की गई। डॉक्टर प्रोटेक्शन एक्ट भी लागू नहीं है। एमवाय अस्पताल में भी कई बार मरीज के साथ आए परिजन डाक्टरों के साथ मारपीट पर उतारु हो जाते है। बचाव में यदि डाक्टर कुछ करते है तो उन पर भी एक्शन लिया जाता है।

गेट पर स्कैनर यात्री का चेहरा पहचानेंगे, बायोमैट्रिक से हो जाएगा यात्री के चेहरे का मिलान

एयरपोर्ट पर होगी डिजिटल जांच मशीनें हुईं इंस्टॉल, ट्रायल शुरू

इंदौर। देवी अहिल्याबाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधाओं के लिए लगातार नई-नई व्यवस्थाएं जोड़ी जा रही है। इनमें एक ओर नई व्यवस्था का नाम जुड़ गया है, वो है डिजिटल जांच। दरअसल इंदौर एयरपोर्ट पर डिजिटल जांच शुरू की जा रही, इसके लिए मशीने इंस्टॉल हो गई हैं और ट्रायल शुरू कर दिया है। इससे यात्री डिपार्चर गेट से लाइट तक पहुंच सकेंगे। पहले मैन्यूअल जांच के आधार पर प्रवेश मिलता था, जिसमें समय लगता था। एक सप्ताह के भीतर नई व्यवस्था शुरू होगी।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से देश के 14 एयरपोर्ट पर डिजिटल सुविधा शुरू कर रहा है, इसमें इंदौर का नाम भी है। पहले एयरपोर्ट के एंट्री गेट पर सुरक्षा और यात्री की पहचान के लिए आधार कार्ड और टिकट देखकर प्रवेश दिया जाता है। सुरक्षा अधिकारी आधार कार्ड या दस्तावेज से यात्री के चेहरे का मिलान करते हैं। ऐसी ही जांच सिक्योरिटी होल्ड एरिया और बोर्डिंग गेट पर भी होती है। इसमें यात्रियों का बहुत समय बर्बाद होता है।

यात्रियों के लिए ऑटोमेटिक खुलेगा गेट

एयरपोर्ट प्रबंधन ने ट्रायल के तौर पर डिजिटल जांच शुरू कर दी है। इसे चार जगह पर इंस्टाल किया है, जिससे 1-2 मिनट में जांच हो जाती हैं। सिस्टम तकनीक पर आधारित होगा। गेट पर स्कैनर यात्री का चेहरा पहचानेंगे। स्कैनर के सामने यात्री के चेहरे का मिलान बायोमैट्रिक से हो जाएगा। यात्री की पहचान डाटा में दर्ज जानकारी से होगी। यहां बारकोड स्कैनर भी है। इसी से टिकट या बोर्डिंग पास स्कैन की भी जांच होगी। टिकट पर दर्ज नाम और बायोमैट्रिक जांच में आधार डाटा से मिले नाम का मिलान होने पर गेट ऑटोमेटिक खुलेगा और यात्री आगे जा सकेंगे।

सरकार ने मोबाइल एप डीजी यात्रा लॉन्च किया है। यात्रियों को एक बार अपना रजिस्ट्रेशन आधार कार्ड से कराना होगा। एयरपोर्ट पर डीजी यात्रा सिस्टम से यात्री की जांच होगी। अगर यात्री के पास डीजी यात्रा एप नहीं है तो उनकी जांच भी इस सिस्टम हो सकेगी, लेकिन प्रक्रिया थोड़ी अलग होगी।

एक सितंबर से शुरू होगी इंदौर से बेंगलुरु के लिए फ्लाइट

एयर इंडिया एक्सप्रेस के जरिए अगले 6 महीनों में इंदौर को जल्द ही देश के तीन बड़े महानगरों नई दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता और उभरते हुए दो महानगर हैदराबाद, बेंगलुरु के साथ बेहतर एयर कनेक्टिविटी मिलने जा रही है।

मतलब इंदौर के यात्रियों के पास देश के विभिन्न हिस्सों में यात्रा करने के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे। साथ ही भविष्य में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होने से विदेश यात्रा करने वाले यात्रियों को भी सुविधा होगी। इंदौर से बेंगलुरु के लिए फ्लाइट एक सितंबर से शुरू होगी, जिसकी टिकट बुकिंग पहले से ही शुरू हो गई है। इसके अलावा चेन्नई के लिए 27 अक्टूबर, नई दिल्ली के लिए 15 नवंबर, हैदराबाद के लिए 15 नवंबर और कोलकाता के लिए 2 फरवरी से फ्लाइट शुरू होगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के अधिकारियों ने इंदौर आकर जायजा लिया कि बेंगलुरु, नई दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद के लिए फ्लाइट शुरू करने की यहां से कितनी पॉसिबिलिटी है।

इसके अलावा एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बैंकॉक के लिए फ्लाइट शुरू करने का प्रपोजल दिया है। देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से देश-विदेश के विभिन्न शहरों के लिए फ्लाइट संचालित होती हैं।

बाल विवाह कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सहित अन्य को नोटिस

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर हाईकोर्ट ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका (पीआईएल) में नोटिस जारी किए हैं जिसमें राज्य में बाल विवाह को नियंत्रित करने वाले कानूनी ढांचे को चुनौती दी गई है। इस मामले को डॉ.अमन शर्मा द्वारा उच्च न्यायालय के समक्ष रखा गया और उनके पक्ष में अधिवक्ता अभिनव पी. धनोडकर ने बहस की। 4 सप्ताह में नोटिस का जवाब देने के निर्देश दिए हैं।

इस जनहित याचिका में मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) अनुप्रयोग अधिनियम, 1937 और बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के बीच के संघर्ष को उठाया गया है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के प्रावधान, जो यौवन (आमतौर पर 15 वर्ष की आयु) में विवाह की अनुमति देते हैं, सीधे तौर पर बाल विवाह निषेध अधिनियम के साथ विरोधाभासी हैं। महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम कानूनी आयु 18 वर्ष और पुरुषों के लिए 21 वर्ष निर्धारित करता है।

डॉ. शर्मा की ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता धनोडकर ने नाबालिगों, विशेषकर युवा लड़कियों के अधिकारों पर इस कानूनी असंगति के गहरे प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कम उम्र में विवाह न केवल इन लड़कियों के स्वास्थ्य और शिक्षा को खतरे में डालता है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक असमानता और लैंगिक भेदभाव को भी बढ़ावा देता है। याचिका में कहा गया है कि ऐसे विवाह संविधान में निहित मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य का अधिकार शामिल है।

खंड पीठ ने प्रारंभिक बहस सुनने के बाद, प्रतिवादियों, जिसमें भारत संघ, कानून और न्याय मंत्रालय, महिला और बाल विकास मंत्रालय मध्य प्रदेश राज्य, महिला और बाल विकास विभाग गृह विभाग और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड शामिल हैं को नोटिस जारी किया है। अदालत ने इन पक्षों को चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

याचिकाकर्ता ने न्यायिक घोषणा की मांग की है, जिसमें बाल विवाह निषेध अधिनियम को विरोधाभासी पर्सनल लॉ पर प्रधानता देने की पुष्टि की जाए, साथ ही सभी समुदायों में विवाह की कानूनी आयु की समानता सुनिश्चित करने के लिए विधायी संशोधन का निर्देश भी दिया जाए। इसके अलावा, याचिका में मजबूत निगरानी और प्रवर्तन तंत्र, सार्वजनिक जागरूकता पहल और बाल विवाह से प्रभावित व्यक्तियों के लिए व्यापक समर्थन सेवाओं की स्थापना की मांग की गई है।

आईआईएम में उद्यमिता और समाज थीम के तहत हुई आई-5 समिट की शुरुआत

देशभर की हस्तियों ने बताए सफलता के गुर

सिटी चीफ इंदौर।
मध्य भारत का सबसे बड़ा एंट्रेप्रेन्योरशिप फेस्ट आई-5 समिट की शुरुआत आईआईएम इंदौर में उद्यमिता और समाज थीम के तहत हुई। सम्मेलन में 10,000 से अधिक जिज्ञासु शिक्षार्थियों ने भाग लिया, जिसमें उद्योग जगत के नेताओं, महत्वाकांक्षी उद्यमियों और प्रसिद्ध प्रभावशाली लोगों के साथ इंटरैक्टिव और प्रेरक सत्र शामिल थे। समिट का उद्घाटन कर्नल (डॉ.) गुरुराज गोपीनाथ पामिडी (वेटरन), मुख्य अधिकारी- प्रशासन, आईआईएम इंदौर ने किया। कर्नल पामिडी ने उभरते उद्यमियों और बिजनेस लीडर्स को संबोधित किया और समाज में उनके लिए उत्पन्न महत्वपूर्ण प्रभाव और अवसरों पर जोर दिया। उन्होंने आईआईएम इंदौर के पूर्व छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों और उनके नेतृत्व से सामाजिक कल्याण में योगदान के बारे में भी बताया। इस दिन सेशन, वर्कशॉप और की-नोट एड्रेस भी हुए। इस अवसर पर फाइनेंस इन्फ्लुएंसर सीएस उज्ज्वल पाहवा और टिग्गल चॉकलेट ड्रिंक्स की संस्थापक अनुवा कक्कड़ ने एक साथ चर्चा की। पाहवा ने सोशल मीडिया पर अपनी जगह बनाने की अपनी यात्रा साझा की और अपनी रुचि के क्षेत्रों में सफलता पाने के लिए मार्गदर्शन दिया। कक्कड़ ने टिग्गल चॉकलेट ड्रिंक्स की शुरूआत पर चर्चा की, अपने विजन से दर्शकों को प्रेरित किया और समर्थन के लिए नेटवर्किंग के महत्व पर जोर दिया।

शिखर सम्मेलन में फिडीपे के संस्थापक और सीईओ मनन दीक्षित का एक प्रेरक संबोधन भी शामिल था। उन्होंने ई-कॉमर्स क्षेत्र में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की और चर्चा की कि कैसे उन्होंने न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भुगतान विधियों में क्रांति ला दी। रेड बुल द्वारा आयोजित मनोरंजक गतिविधियों और दर्शकों के साथ आकर्षक प्रश्नोत्तरी भी आयोजित हुए। पहले दिन उत्साह का माहौल रहा क्योंकि प्रतिभागियों ने विचारों का आदान-प्रदान किया और संभावित अवसरों की खोज की। दूसरे दिन मध्य भारत के सबसे सफल स्टार्टअप एक्सपो, ह्यस्टार्टअप मेलाह्व के साथ-साथ स्टॉक मेनिया और ऐस-द-केस प्रतियोगिताएं भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, हितेश काकरानी, नवीन खंडेलवाल और नितिन जोशी के साथ इंटरैक्टिव स्पीकर सत्र आयोजित किए जाएंगे।

कल 228 बसों में सुबह 6 से रात 9 बजे तक कर सकेंगी मुफ्त सफर

रक्षाबंधन पर फ्री सफर कर सकेंगी सभी बहनें

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी भोपाल की बहनों को रक्षाबंधन के दिन सभी बहने सुबह 6 से रात 9 बजे तक भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड बसों में फ्री में सफर कर सकेंगी। बहनों को शहर के अंदर फ्री यात्रा करने की सौगात दी गई है। एमआईसी में प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। इसे लेकर आदेश भी जारी होंगे। राजधानी में भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड बसों का संचालन करती है। महापौर मालती राय ने बताया कि हर साल रक्षाबंधन पर बहनों को भाई को राखी बांधने के लिए एक जगह से दूसरी जगह पर जाना पड़ता है। बहनों को नगर निगम की तरफ से सौगात दी जाती है। इस बार भी यह सौगात दी जाएगी। एमआईसी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गौरतलाप है कि भोपाल में कुल 25 रूट पर 368 सिटी बसें दौड़ती हैं। इनमें से 140 बसें पिछले एक महीने से बंद है। ऐसे में शेष बची 228 बसों में 19 अगस्त, सोमवार को महिलाएं सफर कर सकेंगी।

इन रूटो में चलती है भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड बसें

भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड बसें भोपाल में शहर के सभी क्षेत्रों को कवर करती हैं। बैरागढ़ के पास चिरायु हॉस्पिटल से लेकर अवधपुरी, न्यू मार्केट, अयोध्या बायपास, करोंद, एमपी नगर, मिसरोद, मंडीदीप, भोजपुर, होशंगाबाद रोड, कटारा हिल्स, बैरागढ़ चिचली, कोलार रोड, गांधीनगर, बंगरसिया, रायसेन रोड, लांबाखेड़ा, नारियलखेड़ा, भौंरी समेत अधिकांश शहरी इलाकों में चलती है। भोपाल में सिटी बसों में एक दिन में डेढ़ लाख से ज्यादा लोग सफर करते हैं। इनमें 40 फीसदी तक करीब 60 हजार महिला यात्री शामिल हैं। रक्षा बंधन के दिन यह संख्या 70 हजार तक पहुंच सकती है। नौकरीपेशा के अलावा स्टूडेंट्स भी बसों से आना-जाना करती हैं। किराए के रूप में उन्हें न्यूनतम 7 और अधिकतम 42 रुपए लगते हैं।

19 अगस्त से 31 अगस्त तक चलेगा महोत्सव

भोपाल में मनेगा सबसे बड़ा रक्षाबंधन महोत्सव

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी भोपाल में रक्षाबंधन महोत्सव को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। हर साल की तरह इस साल भी मंत्री विश्वास सारंग हजारों बहनों से राखी बंधवाएंगे। शनिवार को मंत्री सारंग प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षो से रक्षाबंधन का पर्व मना रहा हू। बहुत छोटे स्तर पर यह कार्यक्रम शुरू किया था। राजनीति से हटकर जनता से जुड़ने के लिए ये महोत्सव शुरू किया था। सबसे कम समय में सबसे ज्यादा राखी बांधने का विश्व रिकॉर्ड भी बन चुका है।

मंत्री सारंग ने बताया कि इस साल ये महोत्सव 19 अगस्त से 31 अगस्त तक चलेगा। 19 अगस्त को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 38 में दोपहर एक बजे एकतापुरी गार्डन में महोत्सव का शुभारंभ होगा।

पिछले साल मंत्री सारंग को लगभग एक लाख 41 हजार 324 बहनों ने रक्षासूत्र बांधकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। 2016 में मंत्री सारंग के नाम रहे दो-दो वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए थे जिसमें 4 घंटे में 10182 बहनों से राखी बंधवाने और दिनभर 85 हजार बहनों से राखी बंधवाने का विश्व रिकॉर्ड बना था।

एकतापुरी गार्डन में होगा कार्यक्रम का आयोजन

मंत्री विश्वास सारंग में आगे बताया कि इस साल रक्षाबंधन महोत्सव का 16वां वर्ष है। क्षेत्र के सभी 17 से 20 वार्डों में रक्षाबंधन महोत्सव मनाया जाएगा। जिसके लिए सभी वाडों में 338 बूथ बनाए गए है। जहां एक लाख से अधिक बहनों का ऑफ लाइन और ऑन लाइन पंजीयन किया जाएगा। महोत्सव में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा इसमें वृंदावन के कलाकार विशेष प्रस्तुति देंगे। एकतापुरी गार्डन की 8 एकड़ के क्षेत्र में 30 हजार स्क्वायर फीट में पण्डाल लगाया गया है। इस महोत्सव में सभी धर्मों, सभी वर्गों की बहनें हिस्सा लेती है। समाज में इसका प्रचार प्रसार हो इसी भाव के साथ रक्षाबंधन का त्योहार बनाया जायेगा। गौरतलब है कि राजधानी भोपाल में रक्षाबंधन के दिन 19 अगस्त को विश्व के सबसे बड़े रक्षाबंधन महोत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। मंत्री विश्वास सारंग पिछले 15 साल यानि वर्ष 2009 से नरेला क्षेत्र में लगातार महोत्सव मनाया जाता आ रहा है। ठीक उसी प्रकार इस साल भी रक्षाबंधन महोत्सव में हजारों बहनें अपने भैया विश्वास सारंग को राखी बांधेंगी।

प्रोजेक्ट में डिपो बनाने के लिए 60 प्रतिशत राशि दे रही केंद्र सरकार

ई- बसों के लिए 120 करोड़ से बनेंगे 12 से अधिक डिपो

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। प्रदेश की राजधानी समेत अन्य पांच शहरों में कुल 552 ई-बस का संचालन जल्द शुरू किया जाएगा, क्योंकि निकायों बसों को खड़ा करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। प्रदेश में इन बसों को खड़ा करने के लिए 120 करोड़ की लागत से एक दर्जन से अधिक स्थानों पर डिपो बनाए जाएंगे।

मापदंड के अनुसार 50 ई-बसों के लिए ढाई एकड़ में एक डिपो बनाया जाना है। इस आधार पर निकायों ने 10 डिपो बनाने के लिए जगह का चयन कर लिया है। एक डिपो बनाने में लगभग 11 करोड़ खर्च होंगे । नगरीय प्रशासन विभाग को निकाय ने डिपो बनाने के लिए चयनित स्थलों का प्रस्ताव भेजा है।

जिसको जल्द ही स्वीकृति मिल सकती है।

180 से 200 किलोमीटर प्रति दिन चलेंगी बसें

बस आपरेटर बस के मेंटेनेंस के साथ प्रतिदिन 180 से 200 किलोमीटर बसों का संचालन करेगा। चाहे बस में सवारी हो या न हो, लेकिन बस बस आपरेटर

को रोजाना निर्धारित किए गए किलोमीटर के हिसाब से बसें चलनी होगी । इसके हिसाब से निकायों को बस आपरेटर को भुगतान करना पड़ेगा । वहीं केंद्र सरकार प्रति बस प्रति किलोमीटर 22 रुपये सब्सिडी भी देगी, शेष राशि निकायों को देना होगा।

शहर का नाम यहां बनेंगे डिपो कितनी चलेंगी बसें

भोपाल बैरागढ़ और कस्तूरबा नगर 100

इंदौर कुमेड़ी आइएसबीटी 150

जबलपुर कठोर और आईएसबीटी के पीछे 100

उज्जैन ओल्ड आइएसबीटी और नानाखेड़ा 100

ग्वालियर रेलवे स्टेशन के पास व आइएसबीटी 70

सागर न्यू आरटीओ आफिस के पास 32

इनका कहना है

मापदंड के अनुसार 50 बसों को खड़ा करने के लिए ढाई एकड़ में एक डिपो बनाया जाना है। इस आधार पर निकायों ने कुछ जगह का चयन किया है। जल्द ही डिपो बनाने का काम शुरू होगा। इस प्रोजेक्ट की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। भविष्य खोबरागड़े, उप संचालक, नगरीय प्रशासन विभाग

कुपोषण से बचाने राशि बढ़ाएगी केंद्र सरकार

मप्र में पोषण आहार के लिए 8 की बजाय मिलेंगे 18 रुपए

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश के बच्चों को कुपोषण मुक्त करने के लिए भारत सरकार पोषण आहार की राशि बढ़ाने जा रही है। इसके लिए केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार से भी सुझाव मांगा था। राज्य सरकार ने पोषण आहार की राशि बढ़ाने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेज दिया।

राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती, धात्री माताओं, अतिकम वजन के बच्चों को प्रति हितग्राही प्रतिदिन पूरक पोषण आहार दिया जाता है। वर्तमान में आठ से 12 रुपये तक प्रति बच्चे पर पोषण आहार के लिए खर्च किए जाते हैं। वर्तमान समय की मंहगाई को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने यह राशि बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। इसके बाद भारत सरकार पोषण आहार की राशि

आठ रुपये बढ़ाकर 12 रुपये और 12 रुपये से बढ़ाकर 18 रुपये करने जा रही है।

50 प्रतिशत व्यय देता है केंद्र

बता दें कि पूरक पोषण आहार में व्यय की जाने वाली 50 प्रतिशत राशि भारत सरकार महिला बाल विकास विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की बाल विकास परियोजनाओं में तीन वर्ष से छह वर्ष तक के बच्चों को सांझा चूल्हा के माध्यम से सुबह का नाश्ता एवं दोपहर का भोजन पृथक पृथक मीनू अनुसार पूरक पोषण आहार के रूप में दिया जाता है।

संपर्क एप से होगी है आंगनबाड़ियों की मानिटरिंग

राज्य सरकार ने व्यवस्था में कसावट लाते हुए आंगनबाड़ियों की आनलाइन मानिटरिंग की व्यवस्था भी की है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से लेकर सहायिका संपर्क एप पर आंगनबाड़ी में बच्चों के साथ फोटा लेकर अपलोड करते हैं। इसी तरह बच्चों को परोसा जाने वाले भोजन, पोषण आहार की भी फोटो संपर्क एप पर अपलोड की जाती है। इससे काफी हद तक व्यवस्था में पारदर्शिता आई है।

एक नजर में-

बाल विकास परियोजनाएं -- 453

आंगनबाडी केंद्र-- 84465

मिनी आंगनबाडी केंद्र -12670

आंगनबाड़ियों में पूरक पोषण आहार से लाभान्वित हितग्राही-- 80.00 लाख

अभी यह है पोषण आहार

अप्रैल-2018 से पुनरीक्षित दर

6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चे - 8 रुपये प्रति बच्चा प्रतिदिन- 12-15 ग्राम प्रोटीन , 500 कैलोरी

अतिकम वजन के बच्चे (6 माह से 6 वर्ष तक) 12 रुपये प्रति बच्चा प्रतिदिन- 20-25 ग्राम प्रोटीन , 800 कैलोरी

प्रदेश में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश का दौर जारी, बिजली के साथ भारी बारिश का अलर्ट

रक्षाबंधन के बाद प्रदेश में होगी झमाझम बारिश

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश का दौर जारी है। हालांकि शनिवार को राजधानी भोपाल में पूरे दिन धूप खिली रही। कुछ जिलों में बारिश भी हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का एक नया क्षेत्र बन गया है। मानसून द्रोणिका भी मध्य प्रदेश से होकर गुजर रही है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से मंगलवार से मध्य प्रदेश में वर्षा की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है।

मध्य प्रदेश मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार अगले 24 घंटे में सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनुपपुर अमरकंटक, डिंडोरी में होने की संभावना है। साथ ही बैतूल, छिंदवाड़ा, पेंच, मंडला, सिवनी, बालाघाट, हरदा, नर्मदापुरम में मध्यम बारिश होने

की संभावना है। पचमढ़ी, बुरहानपुर, श्योपुर कलां, मुरैना, ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, रायसेन, छतरपुर, दमोह, पन्ना, उमरिया, कटनी भोपाल, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी में हल्की बारिश होगी।खंडवा ओंकारेश्वर, खरगोन महेश्वर, इंदौर, उज्जैन, धार मांडू, अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, नरसिंहपुर, जबलपुर भेड़ाघाट में भी बारिश हो सकती है।

21-22 अगस्त को अति भारी बारिश

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि दो पूर्वी और उत्तरी हिस्सा भीगेगा, जबकि 21-22 अगस्त को अति भारी बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी में सिस्टम एक्टिव होने से ऐसा होगा। हालांकि, इससे पहले भी प्रदेश में बारिश जारी रहेगी। शनिवार को पन्ना, सतना, अनूपपुर, देवास, बैतूल, छिंदवाड़ा और सिवनी में बारिश हुई। मध्य भारत के कई हिस्सों में अभी बादल है। वहीं, उत्तरी बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम एक्टिव था। वह अब और भी प्रभावशाली होकर लो प्रेशर एरिया में बदल गया है। एक अन्य साइक्लोनिक सकुर्लेशन भी एक्टिव है।इधर प्रदेश के सभी डैमों में 80 प्रतिशत तक पानी आ चुका है। इस कारण उनके गेट खोलने पड़े हैं। इनमें कोलार, बाणसागर, कुंडालिया, बरगी, इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर, कलियासोत, भदभदा, केरवा समेत अन्य डैम भी शामिल हैं।

मप्र में मिलेट्स पर 10 रुपये प्रति किलो राशि... किसानों को प्रोत्साहन के लिए सरकार की पहल

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश सरकार ने किसानों को मोटा अनाज पर 10 रुपये प्रति किलो प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया है। वर्ष 2023 को मिलेट्स वर्ष घोषित किया गया था, जिसमें जागरूकता और प्रोत्साहन के लिए प्रदेशभर में कई आयोजन हुए। इसके बाद भी राज्य में कुल खाद्यान्न उत्पादन क्षेत्र के मात्र साढ़े तीन प्रतिशत हिस्से में ही मोटे अनाज की खेती की जा रही है। ऐसे में सरकार प्रोत्साहन राशि देकर कृषकों को श्रीअन्न उपजाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

मध?य प्रदेश में छह लाख 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मोटा अनाज उगाया जा रहा है। यह आंकड़ा वर्ष 2023-24 का है। 2021-22 में यह क्षेत्र पांच लाख 55 हजार हेक्टेयर था। हालांकि, उत्पादन के हिसाब से प्रदेश देश में पांचवें स्थान

पर है। वर्ष 2023-24 में प्रदेश में 12.68 लाख टन मोटे अनाजों का उत्पादन हुआ, जो 2019-20 में 8.96 लाख टन था। प्रदेश में सबसे अधिक लगभग 60 प्रतिशत बाजरा उगाया जा रहा है।

मोटे अनाजों के उत्पादन को लेकर प्रयास

मोटे अनाजों के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन को लेकर जनवरी 2023 में मंडल में दो दिवसीय मिलेट्स सम्मेलन का आयोजन किया गया।

वर्ष 2024-25 के बजट में डिंडोरी में श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान बनाने की घोषणा की गई है।

विधानसभा सहित कई प्रमुख स्थानों की कैंटीन में मोटे अनाजों से व्यंजन बनाए जा रहे हैं।

वायनाड में घरों की कराएंगे मरम्मत, मध्यप्रदेश में मकानों में सुधार के लिए की जाएगी मदद

युवा कांग्रेस बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए जुटाएगी फंड

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस वायनाड और मध्य प्रदेश के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आ गई है। केरल के वायनाड में आई बाढ़ आपदा के चलते वहां डैमेज हुए घरों को बनाने के लिए युवा कांग्रेस राशि जुटाएगी और वहां के लोगों को मकान बनाने के लिए डोनेट करेगी। इसके साथ युवा कांग्रेस एमपी में भी बाढ़ से प्रभावित हुए मकानों के सुधार कार्य के लिए मदद करेगी। इसके लिए आगामी एक महीने में ब्लाक स्तर पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता राशि जुटाने का काम करेंगे।

मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह शनिवार को पीसीसी में प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से बताया कि वायनाड में 40 से 50 मकान बाढ़ के कारण डैमेज हुए हैं। इनमें से दो से तीन मकानों को बनाने का खर्च डोनेट करने के लिए युवा कांग्रेस राशि जुटाएगी। इसके साथ ही एमपी में भी पिछले दिनों आई बाढ़ से जिन जिलों में घरों को नुकसान हुआ है। वहां के लोगों को भी मकान बनाने में जुटाई गई राशि युवा कांग्रेस प्रदान करेगी। मितेंद्र सिंह ने बताया कि देश और प्रदेश में बाढ़ से आई आफत से राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए भारतीय युवा कांग्रेस के निर्देश पर रडरकउ को योगदान करने के लिए मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस प्रदेश से ब्लाक और पंचायत स्तर पर अभियान चलाकर क्राउड फंड जुटाने का कार्य करेगी। मध्यप्रदेश सहित देशभर में भीषण बाढ़ से तबाही हुई है,जिसमें जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। मितेंद्र सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने बाढ़ प्रभावित लोगों के जान-माल के हुए नकसान की चिंता की है।

मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस ने देश के सम्पूर्ण प्रदेशों में रडरकउ अभियान के माध्यम से क्राउड़ फंड जुटाने हेतु निर्देशित किया है। जिसमें मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा आज इस पहल की शुरूआत कर दी गई है इसके लिए सामर्थ्य अनुसार अपना-अपना योगदान देने के लिए एक लिंक दी गई है जिसको ओपन करते ही एक दफ कोड़ दिखेगा, जिसे स्केन कर अपनी ओर से बाढ़ प्रभावितों की सहायतार्थ मदद कर सकते हैं।

आपने कहा कि इसमें मदद करने हेतु कोई फिक्स राशि नहीं है आप ज्यादा से ज्यादा और कम से कम कितनी ही राशि भेज सकते हैं। आपने कहा कि यह पूरी तरह से पारदर्शी प्रक्रिया है।

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री मोदी को बंगाल में अनुच्छेद 356 लागू कर देना चाहिए

देश की महिलाएं, देश की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री से, पूछ रही हैं कि आखिर ममता किसकी दीदी हैं? बेशक ममता अब धरने पर बैठ राजनीति करें, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया है कि राम और वाम इकट्ठा हो गए हैं और अशांति फैला रहे हैं। राम नाम का इस तरह प्रयोग घोर आपत्तिजनक है। बहरहाल भीड़ डॉक्टरों को हतोत्साहित नहीं कर पाई है, क्योंकि जो डॉक्टर काम पर लौट गए थे, वे फिर हड़ताल पर वापस चले गए हैं। भारत में डॉक्टरों की कमी पहले से ही संकट बनी हुई है, क्योंकि औसतन 1108 लोगों पर एक ही डॉक्टर है।

देश ने स्वतंत्रता की 78वीं सालगिरह मनाई है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने ऐतिहासिक लालकिले पर 11वीं बार तिरंगा फहराया और राष्ट्र को संबोधित किया। वह ऐसे प्रथम गैर-कांग्रेसी एवं भाजपाई प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें देश ने इतना सम्मान दिया है। आज 98 मिनट के प्रधानमंत्री संबोधन का विश्लेषण करने का दिन था। प्रधानमंत्री ने पहली बार देश में धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता पर चर्चा की बात कही है। उस विकृति की ओर भी संकेत किया, जो सर्वनाश का कारण बन सकती है। यह पराकाष्ठा की स्थिति है कि आखिर ऐसी विकृतियां किसकी गोद में पल रही हैं? प्रधानमंत्री के भाषण का फोकस विकसित भारत 2047 पर अधिक रहा। उन्होंने महिला अपराधों और अत्याचारों पर भी अपनी पीड़ा व्यक्त की और फांसी की सजा तक का सुझाव दिया। बेशक देश की स्वतंत्रता का मौका था, लिहाजा औसत नागरिक जश्न, उल्लास और आनंद के मूड में था, लेकिन संभ्रांत लोगों के शहर कोलकाता में, आधी रात के आसपास, अचानक एक भीड़ उमड़ आई। सैकड़ों होंगे अथवा हजारों होंगे, यह गणना बेमानी है। वे गुंडे-बदमाश, हिंसक और विध्वंसक थे। उनके हाथों में लाठियां, डंडे थे और वे काफी उग्र लग रहे थे। स्वतंत्रता की पूर्व रात्रि में भारतीय ही भारतीय पर हमलावर होगा, ऐसी आजादी की हमने कल्पना तक नहीं की थी। क्या हमें ऐसी ही आजादी चाहिए? भीड़ ने पहला हमला प्रदर्शनकारी डॉक्टरों पर किया। उन्हें तितर-बितर किया। मारा-पीटा, तोड़-फोड़ की और प्रदर्शन का मंच ही ध्वस्त कर दिया। उसके बाद भीड़ उस सरकारी अस्पताल के अंदर घुस गई, जहां कुछ दिनों पहले ही 31 वर्षीय ट्रेनी डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार किया गया और बाद में दरिंदगी से उसकी हत्या भी कर दी गई थी। अस्पताल के भीतर भी खूब तोड़-फोड़ की। आपातकालीन कक्ष और बिस्तरों को भी नहीं छोड़ा। गंभीर चिकित्सा विभाग को भी अस्त-व्यस्त कर दिया। संभव है कि उस जघन्य, वहशियाना अपराध के कुछ सबूत भी मिटा दिए गए हों! आखिर वह भीड़ कहां से आई? कौन थे वे गुंडे और उनकी मंशा क्या थी? भीड़ की अराजकता से, अंतत:, किसे लाभ हो सकता है? बंगाल पुलिस कहां थी? यदि ठुल्ले तैनात थे, तो वे तमाशबीन ही क्यों बने रहे? पुलिस और भीड़ में कोई सांठगांठ थी क्या? क्या सीबीआई जांच भी प्रभावित होगी? बहरहाल इन सवालों के जवाबों की प्रतीक्षा प्रधानमंत्री मोदी को नहीं करनी चाहिए। उन्हें राज्यपाल सीवी आनंद बोस की ताजा रपट मंगवानी चाहिए और केंद्रीय कैबिनेट को अनुच्छेद 356 के तहत पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन चस्पा कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चिल्लाने और संघीय ढांचे की दुहाई देने दो। दरअसल यह भीड़ और यह मार-काट बंगाल की नई परंपरा, नया रूटीन बन गई है। कभी संदेशखाली में, तो कभी 24 परगना अथवा किसी अन्य क्षेत्र में भीड़ हिंसा पर उतारू उमड़ती है। हत्याएं तक करना आम बात है। ममता बनर्जी 2011 से मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री हैं, लिहाजा कानून-व्यवस्था की बुनियादी जिम्मेदारी उन्हीं की है। क्या देश की स्वतंत्रता के दिन भी ऐसी उन्मादी, उग्र भीड़ तोड़-फोड़, मार-काट करने को स्वतंत्र है? देश की महिलाएं, देश की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री से, पूछ रही हैं कि आखिर ममता किसकी दीदी हैं? बेशक ममता अब धरने पर बैठ राजनीति करें, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया है कि राम और वाम इकट्ठा हो गए हैं और अशांति फैला रहे हैं। राम नाम का इस तरह प्रयोग घोर आपत्तिजनक है। बहरहाल भीड़ डॉक्टरों को हतोत्साहित नहीं कर पाई है, क्योंकि जो डॉक्टर काम पर लौट गए थे, वे फिर हड़ताल पर वापस चले गए हैं। भारत में डॉक्टरों की कमी पहले से ही संकट बनी हुई है, क्योंकि औसतन 1108 लोगों पर एक ही डॉक्टर है।

अंततः अखंड भारत का सपना होगा साकार

प्राचीन काल में भारत विश्व गुरु था। आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों सहित लगभग समस्त क्षेत्रों में भारतीय सनातन संस्कृति का दबदबा था। भारत को उस खंडकाल में सोने की चिड़िया कहा जाता था। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त 2024 को पूरे भारतवर्ष में 77वां स्वतंत्रता दिवस बहुत ही धूम धाम से मनाया गया। दरअसल, भारतीय नागरिक 15 अगस्त 1947 के पूर्व अंग्रेजों के शासन के अंतर्गत पराधीन थे एवं 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्त होकर भारतीय नागरिक स्वाधीन हुए। इसलिए इस पर्व को स्वाधीनता दिवस कहना अधिक तर्कसंगत होगा। स्वतंत्र शब्द दो शब्दों से मिलाकर बना है (1) स्व; एवं (2) तंत्र। अर्थात स्वयं का तंत्र, इसलिए स्वतंत्रता दिवस कहना तो तभी न्यायोचित होगा जब स्वयं का तंत्र स्थापित हो। भारत के नागरिकों में आज स्व के भाव के प्रति जागृति तो दिखाई देने लगी है और वे भारत के हित सर्वोपरि हैं की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। स्व के तंत्र के स्थापित होने से आशय यह है कि देश में हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन सुनिश्चित हो। प्राचीन काल में भारत विश्व गुरु था। आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों सहित लगभग समस्त क्षेत्रों में भारतीय सनातन संस्कृति का दबदबा था। भारत को उस खंडकाल में सोने की चिड़िया कहा जाता था। भारत के विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से पूरे विश्व से विद्यार्थी भारत में आते थे। भारत पर शक, हूण, कुषाण एवं यवन के आक्रमण हुए, परंतु भारत पर उनके कुछ समय के शासन के पश्चात वे भारतीय सनातन संस्कृति में ही रच बस गए एवं भारत का हिस्सा बन गए। परंतु, अरब के देशों से मुसलमान एवं ब्रिटेन से अंग्रेजों के भारत पर चले शासन के दौरान उन्होंने भारतीय नागरिकों का बलात धर्म परिवर्तन करवाया, स्थानीय नागरिकों पर अकल्पनीय अत्याचार किए। भारत के बड़े बड़े प्रतिष्ठानों, मंदिरों एवं ज्ञान के स्थानों को नष्ट किया। अंग्रेजों ने तो भारतीय नागरिकों के साथ छल कपट करते हुए यह भ्रम फैलाया कि अंग्रेजों ने ही भारतीय नागरिकों को जीना सिखाया है अन्यथा भारतीय समाज तो असभ्य, अनपढ़ गंवार था। उन्होंने भारतीय सनातन संस्कृति पर गहरी चोट की। वे भारतीयों में हीन भावना भरने में सफल रहे। भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति को नष्ट किया। गुरुकुल नष्ट किए। अंग्रेजों को नौकर चाहिए थे अत: तात्कालिक शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन किए। इसी प्रकार की शिक्षा प्रणाली देश में आज भी चल रही है, जिसके अंतर्गत शिक्षित भारतीय केवल नौकरी करने के लिए ही उतावाले नजर आते हैं। वे अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के प्रति रुचि ही प्रकट नहीं करते हैं। भारत में उद्योगपति अपने परिवार की विरासत से ही निकले हैं। भारत को आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के शासन से मुक्त कराने के उद्देश्य से समय समय पर भारत के तत्कालीन राज्यों के शासकों ने युद्ध भी लड़े एवं अपने स्तर पर उस खंडकाल में सफलता भी अर्जित की। जैसे, शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, राणा सांगा आदि के नाम मुख्य रूप से लिए जा सकते हैं। इसी प्रकार, अंगेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ने वाले वीर क्रांतिकारियों में रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद के नाम सहज रूप से लिए जा सकते हैं। स्वाधीनता प्राप्ति के उद्देश्य को लेकर मशाल आगे लेकर चलने वाले कई योद्धाओं में महात्मा गांधी, सरदार पटेल एवं सुभाषचंद्र बोस भी शामिल रहे हैं। इसी समय में विवेकानंद एवं डॉक्टर हेडगेवार ने भी सांस्कृतिक चिंतक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन सफलतापूर्वक किया था। इस प्रकार, अंतत: भारत को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्ति मिली एवं भारतीय नागरिकों को स्वाधीनता प्राप्त हुई। भारत के लिए यह एक नई सुबह तो थी परंतु यह साथ में विभाजन की त्रासदी भी लेकर आई थी। पूर्व एवं पश्चिमी पाकिस्तान के रूप में एक नए देश ने भी जन्म लिया और इस दौरान करोड़ों नागरिकों ने अपनी जान गवाईं थी।

आखिर भारत का विभाजन हुआ क्यों? यदि इस विषय पर विचार किया जाय तो ध्यान में आता है कि दरअसल अंग्रेजों ने यह भ्रम फैलाया कि भारत में आर्य बाहर से आए हैं और इस प्रकार वे भारतीय नागरिकों में मतभेद पैदा करने में सफल हुए। साथ ही, उन्हें भारतीय नागरिकों में यह भाव पैदा करने में भी सफलता मिली कि भारत एक भौगोलिक इकाई है एवं यह कई राज्यों को मिलाकर एक देश बना है जबकि राष्ट्र एक सांस्कृतिक इकाई होती है न कि भौगोलिक इकाई। उस खंडकाल विशेष में अंग्रेजों द्वारा भारत में किया गया मुस्लिम तुष्टिकरण भी भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रवादी मुसलमानों की उपेक्षा की गई थी एवं उस समय की जनभावना को बिलकुल ही नकार दिया गया था, इसके उदाहरण के रूप में वन्दे मातरम कहने पर अंकुश लगाना एवं राष्ट्रीय ध्वज के रूप में भगवा ध्वज को स्वीकार नहीं करना, का वर्णन किया जा सकता है। और फिर, उस समय विशेष पर भारत का नेतृत्व भी मजबूत हाथों में नहीं था। उक्त कई कारणों के चलते भारत को विभाजन की विभीषिका को झेलना पड़ा था और करोड़ों नागरिक इससे बहुत बुरी तरह से प्रभावित हुए थे।

वैसे तो भारत को पूर्व में भी खंडित किया जाता रहा है परंतु वर्ष 1947 में हुआ विभाजन सबसे अधिक वीभत्स रहा है। वर्ष 1937 में म्यांमार भारत से अलग हुआ था, वर्ष 1914 में तिब्बत को भारत से अलग कर दिया गया था, वर्ष 1906 में भूटान एवं वर्ष 1904 में नेपाल को भारत से अलग कर दो नए देश बना दिये गए थे एवं वर्ष 1876 में अफगानिस्तान ने नए देश के रूप में जन्म लिया था। यह सभी विभाजन भारत को पावन भूमि को विखंडित करते हुए सम्पन्न हुए थे। यह सिलसिला वर्ष 1947 में स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात भी रुका नहीं एवं वर्ष 1948 में भारत के भूभाग को विखंडित कर श्रीलंका के रूप में नए देश का जन्म हुआ। वर्ष 1948 में ही पाकिस्तान के कुछ कबीलों ने भारत के कश्मीर क्षेत्र पर आक्रमण कर कश्मीर के एक हिस्से को अपने कब्जे में ले लिया था, जिसे आज पाक आकुपाईड कश्मीर कहा जाता है। वर्ष 1962 में आक्साई चिन भी भारत से विखंडित हो गया था।

उक्त विखंडित हुए भूभाग से भारत का नाता आज भी बना हुआ है। जैसे, अफगानिस्तान में बामियान बुद्ध की मूर्तियां स्थापित रही हैं, जिन्हें बाद के खंडकाल में तालिबान ने खंडित कर दिया है। महाभारत काल में गांधारी आज के अफगानिस्तान राज्य की निवासी रही है। अफगानिस्तान शिव उपासना का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। इसी प्रकार पाकिस्तान में तो तक्षशिला विश्वविद्यालय रहा है, जिसमें विश्व के अन्य देशों से विद्यार्थी अधय्यन के लिए आते थे। हिंगलाज माता का मंदिर है, भगवान झूलेलाल का अवतरण इस धरा पर हुआ था, साधु बेला, संत कंवरराम, ऋषि पिंगल, ऋषि पाणिनि भी इसी धरा पर रहे हैं। भगत सिंह, लाला लाजपत राय एवं आचार्य कृपलानी जैसे देशभक्तों ने भी इसी धरा पर जन्म लिया था। बंगला देश में भी आज ढाकेश्वरी मंदिर स्थित है जिसके नाम पर ही बांग्लादेश की राजधानी को ढाका कहा जाता है। जगदीश चंद्र बोस एवं विपिन चंद्र पाल जैसे महान देशभक्तों ने भी इसी धरा पर जन्म लिया है। नेपाल तो अभी हाल ही के समय तक हिंदू राष्ट्र ही रहा है एवं यहां पर कैलाश मानसरोवर, पशुपति नाथ मंदिर, जनकपुर जहां माता सीता का जन्म हुआ था एवं विश्व प्रसिद्ध लुम्बिनी, आदि नेपाल में ही स्थित हैं। इस दृष्टि से यह ध्यान में आता है कि भारत को एक बार पुन: अखंड क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए क्योंकि भारत से अलग हुए इन सभी देशों की सांस्कृतिक विरासत तो एक ही दिखाई देती हैं।

महर्षि अरविंद तो कहते ही थे कि भारत अखंड होगा क्योंकि यह ईश्वर की इच्छा है। स्वामी विवेकानंद जी को भरोसा था कि भारत एक सनातन राष्ट्र के रूप में अखंड होगा ही। आज हम सभी भारतवासियों को यह विश्वास अपने मन में जगाना होगा कि भारत एक अखंड राष्ट्र होगा ही इसके लिए मेहनत की पराकाष्ठा जरूर करनी होगी। हिंदू एक संस्कृति है न कि पूजा पद्धति, इस प्रकार का व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा। अखंड भारत में समस्त मत पंथों को मानने वाले नागरिकों को अपनी पूजा पद्धति के लिए छूट होगी ही। इस संदर्भ में विघटनकारी सोच की राजनैतिक पराजय अति आवश्यक है। भविष्य में केवल भारत ही अखंड होगा, ऐसा भी नहीं है। इसके पूर्व एवं पश्चिमी जर्मनी एक हो चुके हैं, वियतमान में भी इसी संदर्भ में बाहरी षड्यंत्र विफल हो चुके हैं। इजराईल देश भी तो अनवरत साधना से ही बन पाया है, फिर भारत क्यों नहीं अखंड हो सकता।

तेजी से बढ़ रहे हैं मंकीपॉक्स के मामले लेकिन कोरोना जैसा खतरा नहीं

कोरोना संकट के बाद मंकीपॉक्स के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठने लगा है कि क्या कोरोना की तरह एमपॉक्स भी लोगों की मुश्किलें बढ़ा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन आशंकाओं को खारिज किया है। भारत में जनवरी 2022 से अब तक मंकीपॉक्स के सिर्फ 30 मामले सामने आए हैं, हालांकि, सरकार सतर्क है। केरल में पिछले दिनों एमपॉक्स का एक मामला सामने आया है। बावजूद इसके स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इस बीमारी के फैलने का खतरा कम है। हालांकि, हलृड की ओर से मंकीपॉक्स को वैश्विक आपदा घोषित किया है। ऐसे में भारत सरकार अतिरिक्त सावधानी बरतने पर विचार कर रही है।

दुनिया के कई देशों में मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार एयरपोर्ट और बंदरगाहों पर निगरानी बढ़ाने जा रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि अब तक रिपोर्ट किए गए ज्यादातर मामलों का संबंध उन देशों की यात्रा से है जहां एमपॉक्स के केस ज्यादा हैं। भारत में मंकीपॉक्स के मामले अभी भी कम हैं, लेकिन सरकार किसी भी संभावित प्रकोप को रोकने के लिए कदम उठा रही है। हलृड के अनुसार, मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोटिक बीमारी है, यानी यह जानवरों से इंसानों में फैलता है। इसके लक्षण चेचक जैसे होते हैं, लेकिन यह उतना गंभीर नहीं होता।

मंकीपॉक्स में आमतौर पर बुखार, शरीर पर दाने और लिम्फ नोड्स में सूजन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। यह आमतौर पर एक सेल्फ लिमिटेड बीमारी है जिसके लक्षण दो से चार सप्ताह तक रहते हैं। केंद्र की ओर से 2022 में जारी मंकीपॉक्स रोग के मैनेजमेंट गाइडलाइंस में कहा गया कि इंसान से इंसान में संक्रमण मुख्य रूप से कई माध्यमों से हो सकता है। इसके लिए आम तौर पर लंबे समय तक क्लोज कॉन्टैक्ट की आवश्यकता होती है। यह शरीर के घावों के सीधे संपर्क से और संक्रमित व्यक्ति के दूषित कपड़ों या लिनेन जैसे घाव सामग्री के अप्रत्यक्ष संपर्क से भी फैल सकता है।

जानवरों से इंसानों में इन्फेक्शन संक्रमित जानवरों के काटने या खरोंचने से या इंफेक्टेड मीट को बनाने से हो सकता है। इन्क्यूबेशन पीरियड आमतौर पर छह से 13 दिनों तक होती है और मंकीपॉक्स की मृत्यु दर ऐतिहासिक रूप से सामान्य आबादी में 11 फीसदी तक और बच्चों में इससे भी अधिक रही है। हाल के दिनों में, मृत्यु दर लगभग तीन से छह फीसदी रही है। इसके लक्षण की बात करें तो आमतौर पर बुखार की शुरूआत से एक से तीन दिनों के भीतर शुरू होते हैं। लगभग दो से चार सप्ताह तक रहते हैं।

केंद्र सरकार की ओर से उठाए जा रहे जरूरी स्टेप्स के मद्देनजर, यह उम्मीद की जा रही है कि भारत में मंकीपॉक्स के मामलों को नियंत्रण में रखा जा सकेगा। हालांकि, जनता को जागरूक रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। अगर आपको मंकीपॉक्स के कोई भी लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

कश्मीर में भी बज उठी चुनावी रणभेरी

जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद विधानसभा की 90 सीटों के लिए चुनावों की घोषणा के बाद लोगों में एक बार फिर उम्मीद की लहर जागी है। लोग अपने इलाके की तस्वीर बदलना चाहते हैं। हाल ही में लोकसभा चुनाव में लोग जिस तरह वोट डालने बाहर निकले, उसे देखते हुए उससे कहीं ज्यादा वोट विधानसभा चुनावों में डाले जाने की उम्मीद है। यह विधानसभा चुनाव इसलिए भी ज्यादा दिलचस्प है, क्योंकि अलगाववादी नेता इस बार या तो जेलों में बंद हैं या चुप्पी साधे बैठे हैं।

5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को खत्म करने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव है। पुराने राज्य जम्मू-कश्मीर के दो टुकड़े हो गए थे। एक तरफ, जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित, तो दूसरी तरफ लद्दाख केंद्रशासित। इस बार सभी समीकरण यहां बदल गए हैं। यहां लोग शांति के साथ रहना चाहते हैं। जिस तरह से लोगों ने इस बार लोकसभा चुनावों में वोट डाले और 35 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, उसे ध्यान में रखना चाहिए। साल 1990 में यहां आतंकवाद शुरू हुआ था, उसके बाद के चुनावों में पांच से 15 प्रतिशत मतदान होता था, लेकिन पिछली बार सारे रिकॉर्ड तोड़कर 55 प्रतिशत मतदान हुआ।

पिछली बार भाजपा और महबूबा मुफ्ती की पीडीपी ने मिलकर चार साल सरकार चलाई। साल 2014 के विधानसभा चुनावों में पीडीपी को 28 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को 25, पर चार साल बाद गठबंधन सरकार तब गिर गई, जब भाजपा ने समर्थन वापस ले लिया। तब से महबूबा मुफ्ती और भाजपा के बीच 36 का आंकड़ा चल रहा है।

इस बार सितंबर और अक्तूबर में तीन चरण में होने वाले चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उप-प्रधान उमर अब्दुल्ला और पीडीपी की प्रधान महबूबा मुफ्ती ने घोषणा की है कि ये दोनों विधानसभा चुनाव तब तक नहीं लड़ेंगे, जब तक कि जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35ए वापस नहीं दिया जाता और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस नहीं मिलता है।

गौरतलब है, ये दोनों पूर्व मुख्यमंत्री, उमर अब्दुल्ला अपनी बारामुला लोकसभा सीट और महबूबा मुफ्ती अपनी अनंतनाग सीट से काफी वोटों से हार गए थे। उमर अब्दुल्ला को सबसे ज्यादा झटका तब लगा, जब दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद पूर्व विधायक इंजीनियर रशीद से वह करीब दो लाख वोटों से हार गए थे। ऐसे ही, महबूबा अपनी अनंतनाग लोकसभा सीट नेशनल कॉन्फ्रेंस के गुज्जर नेता, मियां अल्ताफ से हार गईं। तब से दोनों पूर्व मुख्यमंत्री सदमे में हैं।

बहरहाल, 5 अगस्त, 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर के समीकरण बदल गए हैं। पहले पुराने राज्य में 87 सीटें होती थीं, पर इस बार 90 सीटें हैं। कश्मीर से 47 और जम्मू क्षेत्र की 43 सीटें हैं। 1987 के विधानसभा चुनावों के बाद से ही जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी नेताओं का काफी दबदबा रहता था। बताते हैं, जिस पार्टी को जमात-ए-इस्लामी और आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन का समर्थन मिलता था, उसकी सरकार बनती थी। हालांकि, इस बार अलगाववाद और उग्रवाद का दबदबा खत्म हो गया है। बम और बंदूक का खौफ मिट गया है। कश्मीर में पत्थरबाजी की घटनाएं न के बराबर हैं, तो चुनावी नतीजे रोचक होंगे। बदले हुए माहौल में वोट डाले जाएंगे।

उमर अब्दुल्ला ने भले ही एलान किया है कि वह विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन उनके पिता फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि उनकी पार्टी सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वैसे, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अभी तक यह फैसला नहीं किया है कि वे किसी से गठबंधन करेंगे या नहीं। लोकसभा चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने जम्मू की दो सीटों और कश्मीर की तीन सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ा था। महबूबा और उमर आपस में भी लड़ने वाले थे, पर बाद में दोनों हट गए थे।

इस बार के चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, भाजपा और कांग्रेस के अलावा सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और अल्ताफ बुखारी के लिए चुनाव लड़ना आसान न होगा। हाल ही के लोकसभा चुनावों में पड़े वोटों को अगर देखा जाए, तो 90 सीटों में से नेशनल कॉन्फ्रेंस 34 सीटों पर आगे है, जबकि कांग्रेस सात सीटों पर आगे है। यहां सरकार बनाने के लिए 46 सीटें आनी चाहिए। इसी तरह, भाजपा के लोकसभा डेटा को अगर देखा जाए, तो उसको 29 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली है, पर ये सभी सीटें जम्मू में हैं।

सबसे ज्यादा जद्दोजहद महबूबा मुफ्ती, सज्जाद लोन और अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टी को करनी पड़ेगी। पीडीपी को इस बार पांच विधानसभा सीटों में बढ़त मिली थी, जबकि 2014 चुनावों में उसको 28 सीटें मिली थीं। बारामुला लोकसभा से जीते हुए सांसद इंजीनियर रशीद भी पीडीपी को कड़ा मुकाबला देने वाले हैं। हालांकि, इंजीनियर रशीद जेल में बंद हैं, पर उनके दोनों बेटे चुनावी मुद्रा में दिख रहे हैं। गौरतलब है कि इंजीनियर रशीद की जम्मू ऐंड कश्मीर अवामी इत्तेहाद पार्टी ने उतरी कश्मीर की बारामुला लोकसभा सीट के तहत आने वाली में 14 विधानसभा सीटों में बढ़त ली है, यह नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के लिए सिरदर्द है। इन दोनों पहचान रखने वाली पार्टियों को इस बार साख बचाने के लिए बहुत जोर लगाना पड़ेगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी सत्ता में रह चुकी हैं, कश्मीर में विकास की कमजोर रफ्तार के लिए इन दोनों पार्टियों को जिम्मेदार ठहराने वालों की संख्या भी कम नहीं है। महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला को अपने पुख्ता जवाब के साथ मैदान में उतरना होगा।

भाजपा और कांग्रेस को भी इन विधानसभा चुनावों में काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। दोनों पार्टियों का वोटबैंक जम्मू की 43 सीटों पर ही केंद्रित है। पिछले दस साल में भाजपा को जम्मू में काफी नुकसान हुआ है, क्योंकि जम्मू क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि पिछले कुछ वर्षों में शासन की वजह से जम्मू का सारा व्यापार खत्म हो गया है और बेरोजगारी बढ़ी है। कांग्रेस पार्टी में अंदरूनी फूट की वजह से भी पार्टी के वोटबैंक को नुकसान पहुंच रहा है।

बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में चुनावी बिगुल बज चुका है और मुख्य चुनावी मुद्दों पर बात कहां जाती है, ये देखने वाली बात होगी। अनुच्छेद 370, 35ए, बेरोजगारी, आतंकवाद, राज्य का दर्जा दिए जाने और केंद्र के साथ अच्छे रिश्ते को लेकर भी खूब बातें होंगी और देखना है कि लोग किसे ज्यादा सुनते हैं?

पश्चिम बंगाल की घटना के विरोध मे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रदर्शन

कहा महिला डॉक्टर से हैवानियत के बाद हत्या के मामले में दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही पश्चिम बंगाल की सरकार

सुनील यादव। सिटी चीफ । कटनी, कटनी में शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने मिशन चौक में मेडिकल के स्टूडेंट के साथ पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करते हुए बताया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ एबीवीपी ने मोर्चा खोल दिया है। पीड़िता को न्याय दिलाने हेतु हाथों मे स्लोगन लिखी तख्तीयों एवं We Want Justice के लिये एक साथ आक्रोश प्रदर्शन किया गया। ABVP के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने एक ज्ञापन भी सौंपा है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक महिला डॉक्टर से हैवानियत के बाद हत्या के मामले में दोषियों को बचाने का आरोप लगाते पश्चिम बंगाल की सरकार तथा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री का पुतला दहन भी किया। ज्ञापन सौंपते हुए बताया की पश्चिम बंगाल के कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना सामने आई है। इसकी आग अब पूरे देश में फैल रही इस घटना को लेकर जगह जगह प्रदर्शन भी सामने आने लगे हैं। ABVP के पदाधिकारी वा मेडिकल के स्टूडेंट एक साथ होकर इस घटना को लेकर दुख जताते हुए दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

दिया से पोटियापाट के लिए निकली कावड़ यात्रा...ग्रामीणों ने किया जलाभिषेक

लकेश पंचेश्वर । सीटी चीफ लालबर्रा, चल रे कावाड़िये,पोटियापाट धाम,बन जायेंगे सब बिगड़ें काम... बम-बम भोले,हर-हर भोले तथा हर-हर महादेव के साथ डीजे कि धुन पर कावाड़ियें पोटियापाट धाम के लिए पैदल रवाना हुए जिसमें ग्राम कि महिलाएं,पुरुष तथा बच्चें शामिल रहे हैं, ददिया ग्राम में 17अगस्त दिन शनिवार को शिव मंदिर में सभी लोग एकत्रित हुए तथा मंदिर में पूजा अर्चना कर कांवड़ रखकर पोटिया पाट के लिए पैदल प्रस्थान किया गया है। प्रेस से चर्चा करते हुए ग्राम सरपंच श्रीमती ऋषि पंची भलावी ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा बहुत दिनों से मांग कि जा रही थी कि ग्राम में सावन माह के पवित्र महिने में पिछले वर्ष कि तरह इस वर्ष भी ग्राम में कांवड़ यात्रा निकाला जाये,इसी तारतम्य में ग्राम के महिला पुरूष व बच्चे शिवमंदिर में आज एकत्रित हुए तथा भगवान शिव कि पूजा पश्चात ग्रामीण जन पैदल कांवड़ रखकर रवाना हुए व वैनगंगा पोटियापाट पहुंचे जहां पर शिव मंदिर में माथा टेककर पूजा कि गई तथा कांवड़ में जल भरकर कांवड़ यात्रा लेकर ग्राम कि ओर रवाना हुए,ग्राम में पहुंचकर जलाभिषेक कर पुनः पूजा अर्चना किया गया तथा ग्राम कि खुशयाली हरियाली तथा मंगलमय कि कामना कि गई है। तथा यहां पर दुर दुर से मुंडन संस्कार के लिए आते हैं यहां पर प्रतिवर्ष 15 दिन का मेला लगता है काफी लोग यहां पर आते हैं लेकिन यहां पर आने जाने वालों के लिए जो सुविधाएं मिलना चाहिए व नहीं है मैं बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राट अशोक सिंह सरस्वार जी व सांसद श्रीमती भारती पारधी जी इस विषय पर बात रखूंगी मेरा यही प्रयास रहेगा कि यहां आने जाने को अच्छी सुविधाएं मिलें। वहीं इस दौरान प्रमुख रूप से मनीराम भोयर जनपद सदस्य प्रतिनिधि सहित अन्य सभी लोग उपस्थित रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के डाक्टर के साथ हुई दरिंदगी को लेकर डाक्टरों में आक्रोश

डॉक्टरों का पैदल मार्चः 100 से ज्यादा डॉक्टर और मेडिकल स्टूडेंट मौजूद रहे, पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग

सुनील यादव। सिटी चीफ । कटनी, कटनी के सभी डॉक्टरों ने कोलकाता के एक मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ रेप और मर्डर की घटना के विरोध में डॉक्टरों और छात्रों के साथ मिलकर शांतिपूर्वक पैदल मार्च निकाला। विरोध प्रदर्शन के दौरान KATNI के सभी प्राइवेट हॉस्पिटल, डेंटल क्लीनिक बंद रहे बड़ी संख्या में शहर के डॉक्टर, इंटर और रेजिडेंट पैदल मार्च में शामिल हुए और विरोध किया है । इस दौरान लगभग 100 से अधिक डॉक्टर समेत छात्र मौजूद रहे। इसमें रेजिडेंट , इंटर्न और प्राइवेट डॉक्टर शामिल रहे। इन डॉक्टरों का कहना है कि बंगाल में डॉक्टर के साथ शर्मनाक घटना हुई लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ये इश्यू केवल एक महिला डॉक्टर का नहीं है। समाज की हर एक बेटी का है। दिलबाहर चौक से डॉक्टर्स का पैदल मार्च निकला जो मुख्य कटनी रेलवे स्टेशन से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ मिशन चौक पर संपन्न हुआ। मिशन चौक से शुरू हुआ पैदल मार्च में महिला डाक्टर हाथों में तख्तियां लेकर चल रही थीं, लिखा था-हमें न्याय चाहिएज्पैदल मार्च के द्वारा विरोध प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों की मुख्य मांग है कि जल्द से जल्द हत्यारों को फांसी दी जाए। उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और हम सबकी सुरक्षा के लिए एक सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट को लागू किया जाए। इस दौरान बड़ी संख्या में हॉस्पिटल के इंटर, रेजीडेंट डॉक्टर, सरकारी और प्राइवेट सभी डॉक्टर्स पैदल मार्च और प्रदर्शन में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने 96 करोड़ 69 लाख रुपये लागत के 201 कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमि पूजन

इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री तथा अनूपपुर प्रभारी मंत्री समेत अन्य लोग शामिल रहे

यशपाल जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, प्रदेश के मुख्यमंत्री Dr Mohan Yadav ने आज अनूपपुर जिले में लाडली बहनों के लिए आयोजित रक्षाबंधन और श्रावण उत्सव कार्यक्रम में 176 कार्यों का लोकार्पण एवं 25 कार्यों का भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अनूपपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 14 कार्य लागत 2302.27 लाख रुपये, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 110 कार्य लागत 1224.73 लाख रुपये, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 21 कार्य लागत 1563.80 लाख रुपये, सर्व शिक्षा अभियान के 20 कार्य लागत 279.67 लाख रुपये, लोक निर्माण विभाग (पीआईयू) के 5 कार्य लागत 1139.97 लाख रुपये, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के 4 कार्य लागत 195.24 लाख रुपये, जल संसाधन विभाग का 01 कार्य लागत 1359.0 लाख रुपये एवं ऊर्जा विभाग का 01 कार्य लागत 89.95 लाख रुपये कुल 176 कार्य लागत 8154.63 लाख रुपये का लोकार्पण किया।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 10 कार्यों लागत 107.09 लाख रुपये, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अनूपपुर के 09 कार्य लागत 540.00 लाख रुपये, लोक निर्माण विभाग (पीआईयू) का 01 कार्य लागत 404.46 लाख रुपये, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के 5 कार्य लागत 462.88 लाख रुपये कुल 25 कार्य लागत 1514.43 लाख रुपये का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री तथा अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल, विधायक अनूपपुर श्री बिसाहूलाल सिंह, विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रामलाल रौतेल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बी.एस. जामोद, आई.जी. पुलिस श्री अनुराग शर्मा, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक श्री मोतीउर रहमान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रामदास पुरी, जिले के नगरीय निकायों के अध्यक्ष तथा जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का लाडली बहनों ने पुष्प वर्षा कर किया भावभीना स्वागत

बहनों ने लाडले भैया को बांधी राखी

यशपाल जाट। सिटी चीफ अनुपपुर, जिला मुख्यालय अनूपपुर में लाडली बहनों के लिए आयोजित रक्षाबंधन और श्रावण उत्सव कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री Dr Mohan Yadav का कार्यक्रम स्थल में पहुंचने पर लाडली बहनों द्वारा पुष्प वर्षा कर अपने लाडले भैया का स्वागत किया गया। लाडली बहनों ने अपने भैया को राखी बांधी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों को रक्षाबंधन के उपहार स्वरूप गिफ्ट हैम्पर भेंट किए। लाडली बहनों ने भैया को आर्शीवाद प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने जन्माष्टमी के त्यौहार के उपलक्ष्य में श्रावण मास में राधा कृष्ण को झूला भी झुलाया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री तथा अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल, विधायक अनूपपुर श्री बिसाहूलाल सिंह, विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रामलाल रौतेल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बी.एस. जामोद, आई.जी. पुलिस श्री अनुराग शर्मा, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक श्री मोतीउर रहमान, विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रामदास पुरी, जिले के नगरीय निकायों के अध्यक्ष तथा जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

महाराष्ट्र झारखंड में चुनाव नहीं...हरियाणा और जम्मू कश्मीर के चुनाव घोषित

चार राज्यों में एक साथ चुनाव कराने से एक डर रही है भाजपा :- मनोहर

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, वन नेशन वन इलेक्शन की बात करने वाले चार राज्यों में चुनाव नहीं कर सकते वे पूरे देश में कैसे एक साथ चुनाव कर पाएंगे? उक्ताश्य की विज्ञप्ति जारी करते हुए कांग्रेस नेता श्री मनोहर अग्रवाल मन्नू ने कहा की चार राज्यों में चुनाव होना थे जिसमें से केवल जम्मू कश्मीर और हरियाणा के चुनाव की घोषणा हुई है महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव रोक दिए गए ,भाजपा सरकार चुनाव से डरी हुई है इसीलिए मशीन और मशीनरी का दुरुपयोग किस तरह किया जाए केवल इस ओर ध्यान दे रही है ,जिसके तहत केवल जम्मू कश्मीर और हरियाणा के चुनाव घोषित किए गए श्री अग्रवाल ने कहा कि जो देश में वन नेशन वन इलेक्शन की बात करते हैं वह चार राज्यों में एक साथ चुनाव नहीं कर सकते तो पूरे देश में क्या कर पाएंगे उन्होंने कहा की फिर भी कांग्रेस और गठबंधन पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगा और दोनों राज्य में सरकार बनाएंगे।

कोलकाता में महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के विरोध में देवबंद के चिकित्सक रहे हड़ताल पर

पैरामेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने पैदल मार्च निकाल कर जताया अपना विरोध

गौरव सिंघल। सिटी चीफ। सहारनपुर। देवबंद, कोलकाता में महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के विरोध में आज देवबंद के चिकित्सक हड़ताल पर रहे। आईएमए के आह्वान पर देवबंद नगर के प्राइवेट चिकित्सक हड़ताल पर रहे। हड़ताल के चलते केवल अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाएं ही जारी रही। आईएमए के अध्यक्ष डा. अनुज गोयल ने कहा कि कोलकाता जैसे जघन्य अपराधों को रोकने के लिए सरकार को कड़े कानून बनाने चाहिए। जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लग सके। उधर, कोलकाता में महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के विरोध में देवबंद में पैरामेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने पैदल मार्च निकाल कर अपना विरोध दर्ज कराया और सरकार से चिकित्सक के साथ दरिंदगी करने वालों को फांसी दिए जाने की मांग की। पैरामेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों के नेतृत्व में देवबंद सरकारी अस्पताल से लेकर स्टेट हाईवे स्थित वीआईपी गेस्ट हाउस तक पैदल मार्च किया और सरकार से महिला चिकित्सक को न्याय दिलाने और चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की। इस दौरान छाया शर्मा, डा. शिवांशु, डा. मुसरित, डा.वसीम, डा. रवि, मोहम्मद तालिब, जुबीन बेग, जसमेर सिंह, शिल्पी, उरूस, रमा, आयुषी आदि मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री जिला चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण, डॉ. अवधिया को लगाई फटकार

साफ सफाई के अभाव में व्यक्त की कड़ी नाराजगी, मरीजों से स्वास्थ्य व्यवस्था के संबंधी ली जानकारी

यशपाल जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, मध्य प्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री एवं अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने जिला चिकित्सालय अनूपपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। प्रभारी मंत्री ने जिला चिकित्सालय के जनरल वार्ड, बच्चा वार्ड, डायलिसिस यूनिट मेटरनिटी वार्ड, एसएनसीयू, ऑपरेशन थिएटर कक्ष, ब्लड बैंक आकस्मिक यूनिट आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर हर्षल पंचोली, विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष रामदास पुरी, सिविल सर्जन डॉक्टर एस बी अवधिया उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री ने जिला चिकित्सालय के वार्डों एवं परिसर में व्यापक साफ-सफाई रखने के कड़े निर्देश संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए। उन्होंने वार्डों,शौचालय की साफ सफाई व संपूर्ण अस्पताल परिसर में डस्टबिन, साफ-सफाई उपकरण आदि रखने के निर्देश दिए। साथी उन्होंने निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर से आवारा पशु एवं मवेशियों का विचरण न हो इसका भी विशेष ध्यान रखें। मरीज को साफ एवं स्वच्छ वातावरण मुहैया कराया जाए। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली तथा जिला चिकित्सालय के सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के बारे में भी चर्चा की। जिला चिकित्सालय में अनूपपुर तहसील के ग्राम खमहरिया के हितग्राही ने जन्म प्रमाण पत्र अब तक नहीं बनाए जाने के संबंध में शिकायत की जिस पर प्रभारी मंत्री ने तत्सम संबंध में स्वास्थ्य अधिकारियों को मौके पर निर्देश दिए तथा प्रमाण पत्र त्वरित बनाए जाने के निर्देश दिए जिस पर ग्राम खमरिया के प्रभात यादव का जन्म प्रमाण पत्र तत्काल बनाकर उपलब्ध कराया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री द्वारा ओपीडी का भ्रमण किया गया। उन्होंने डॉक्टरों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि डॉक्टर समय का विशेष ध्यान रखें। मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाए। इसी दौरान उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन को व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने तथा मरीजों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर समुचित इलाज मिले तथा उपचार व जांच का कार्य समय पर सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही मिलने पर सख्त कार्यवाही संबंधितों की जिम्मेदारी तय कर की जाएगी। प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को अपने पदीय कार्यों को पूरी तन्मयता, तत्परता और जिम्मेदारी के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ | शाजापुर, ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर को मक्सी थाना क्षेत्र के ग्राम पीर उमरोद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं मृतक की शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं। युवक की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है।

देवबंद में रक्षाबंधन पर्व पर बाजारों में राखियों की खरीदारी को लेकर दुकानों पर उमड़ी महिलाओं की भीड़

राखी से लेकर गिफ्ट तक की हो रही है जमकर खरीदारी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। देवबंद, भाई-बहन के पवित्र प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन के त्योहार से दो दिन पूर्व देवबंद नगर के बाजारों में राखियों की खरीदारी को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। रक्षाबंधन का त्योहार सावन माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस बार राखी यानी रक्षाबंधन का त्योहार 19 अगस्त को मनाया जाएगा। देवबंद नगर के मीना बाजार, रेलवे रोड, मेन बाजार, तांगा स्टैंड में राखियों की दुकानों पर काफी भीड़ देखने को मिल रही है। बाजारों में राखी से लेकर मिठाई और गिफ्ट की भी काफी अच्छी बिक्री हो रही है। इस बार कच्चे सूत की राखी से लेकर रेशम की राखी, कृष्ण जी, खाटू श्याम जी, शिवजी की राखियों के साथ-साथ बच्चों के लिए टेडी बेयर, घड़ी और लाइटनिंग जैसी कई वैरायटी की राखियां उपलब्ध है। जिनकी खूब बिक्री हो रही है। इसके अलावा सबसे अधिक डिमांड अयोध्या धाम के तर्ज पर भगवान श्री राम के नाम की राखी की है। स्टोन, कुंदन की छोटी राखियों की मांग सबसे ज्यादा है। इसके अलावा कंगन राखी और बच्चों के लिए कार्टून राखी भी खूब पसंद की जा रही है। इसमें 10 रुपए से लेकर हजार रुपए तक की राखी उपलब्ध है। बाजार में मध?यम दर्जे की राखी सबसे ज्यादा खरीदी जा रही है। इसमें स्टोन वर्क की रेशम धागे वाली राखी, जिसकी रेंज 10 रुपए से लेकर 120 रुपए तक है। इसके अलावा चांदी की राखी पांच सौ रुपए से लेकर दो हजार तक में उपलब्ध है। वहीं सोने की राखी पचास हजार रुपए तक की है।
पिछले कुछ वर्षों से राखी पर बहनों को कपड़ा देने का चलन भी काफी बढ़ा है। ऐसे में पिछले सप्ताह में बाजार सहित सभी कपड़ा बाजारों में बड़ी तेजी देखने को मिली है। व्यापारी बताते हैं कि राखी के त्योहार पर लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। एक तरफ जहां बहनें भाई के लिए राखियां खरीद रही हैं। वहीं भाई भी बहनों के लिए राखी गिफ्ट खरीदने में पीछे नहीं हैं। इस बार बाजार में चाकलेट के कई आकर्षक गिफ्ट पैक कंपनियों ने उतारे हैं। इसके अलावा कस्टमाइज काफी मग, फोटो फ्रेम, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, बैंगल की रिंग, होम डेकोर आदि की मांग काफी ज्यादा है। रक्षाबंधन को लेकर बाजार में मिठाई के साथ पनीर की भी मांग काफी ज्यादा बढ़ गई है। दुकानदार बताते हैं कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मांग काफी ज्यादा बढ़ी है। बाजार में रसगुल्ला, मिल्क केक, काजू कतली, और बूंदी लड्डू की मांग सबसे ज्यादा है।
राखी का मतलब है रक्षा सूत्र। पौराणिक कथाओं में राखी के लिए कच्चे सूत का उल्लेख मिलता है। यह कच्चा सूत कलावा है जिसे किसी भी धार्मिक आयोजन के समय पुरोहित यजमान की कलाई में रक्षा मंत्र बोलते हुए बांधते हैं। धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो यह सबसे उत्तम रक्षा सूक्ष यानी राखी है। इसलिए रक्षाबंधन के दिन पुरोहित लोग इसे ही यजमान की कलाई में बांधकर राखी का त्योहार मनाते हैं। राखी को लेकर पुराने गानों में रेशम से बनी राखी का बड़ा गुणगान किया गया है। दरअसल रेशम से बनी राखी बहुत ही चमकीली और सुंदर दिखती है। रेशम को धर्म ग्रंथों में पवित्र सूत्र के रूप में बताया गया है। रेशम को हमेशा शुद्ध माना गया है। इसलिए रेशम से बनी राखी को बहुत की पवित्र और प्रेम में शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। इसलिए भाई-बहनों की राखी के लिए रेशम की बनी राखी उत्तम मानी जाती है।

डीएम मनीष बंसल ने कहा

उचित दर की रिक्त दुकानों के व्यवस्थापन में लाए तेजी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में रिक्त दुकानों के व्यवस्थापन एवं नियुक्तियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि जनपद की सभी राशन की उचित दर की रिक्त दुकानों का व्यवस्थापन सुनिश्चित कराया जाए। इसके लिए उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि के खाली चल रही उचित दर की दुकानों पर यथाशीघ्र बैठक आयोजित कराई जाए। जहां बैठक आयोजित कराने के बाद प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुए है, उन स्थानों पर दुबारा बैठक आयोजित कराई जाए। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों और उपायुक्त स्वत: रोजगार को निर्देशित किया कि उनके स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही में विलंब न हो। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि दोबारा समीक्षा की जाएगी अगर किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नए राशन कार्डो के लिए प्राप्त आवेदनों का सत्यापन शीघ्रता से करने के निर्देश बीडीओ को दिए। निलंबित चल रही दुकानों की बहाली व निरस्तीकरण की प्रक्रिया को भी यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। डीएम मनीष बंसल ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि सत्यापन के कार्य को तेजी से करते हुए शीघ्रता से सत्यापन का कार्य पूरा किया जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सभी उप जिलाधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, अधिशासी अधिकारियों एवं पूर्ति निरीक्षक को निर्देश दिए कि जनपद में सघन अभियान चलाकर अपात्रों को चिन्हित कर उनका राशन कार्ड निरस्त करते हुए तत्काल पात्रों को योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। जनपद में बन रही 75 मॉडल उचित दर की दुकानों में शेष को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, पीडी डीआरडीए प्रणय कृष्ण, उप जिलाधिकारी सदर युवराज सिंह, उप जिलाधिकारी नकुड़ संगीता राघव, उप जिलाधिकारी बेहट मानवेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी रामपुर मनिहारान सुरेंद्र कुमार, उप जिलाधिकारी देवबंद अंकुर वर्मा, उपायुक्त स्वत: रोजगार इन्द्रपाल सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सहित खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, डीपीआरओ आलोक कुमार सहित खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी एवं पूर्ति निरीक्षक उपस्थित रहे।

ब्रह्मशक्ति शस्त्र कला मंडल का हुआ गठन

वरुण त्रिवेदी बने संयोजक

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, किला परिसर स्थित हनुमान मंदिर पर शनिवार को सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष दिलीप शर्मा एवं युवा इकाई अध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा के नेतृत्व में आयोजित बैठक में आगामी डोल ग्यारस के दिन निकलने वाले समाज के अखाड़े की रूपरेखा तय की गई। अखाड़े का नाम ब्रह्म शक्ति शस्त्र कला मंडल रखा गया, जिसमें वरुण त्रिवेदी को सर्वसम्मति अखाड़ा संयोजक नियुक्त किया गया एवं जलज ठाकुर, मिथुन शर्मा को सहसंयोजक नियुक्त किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 24 अगस्त से स्थानीय औदीच्य समाज धर्मशाला में समाज के युवाओं को अखाड़ेबाजी की कलाओं का अभ्यास कराया जाएगा। बैठक में समाज के वरिष्ठ नरेंद्र तिवारी, संजय शर्मा, महेंद्र आचार्य, धर्मेंद्र शर्मा, मुकेश दुबे, सचिन शर्मा, रामो शर्मा, आदित्य शर्मा, रिंकू तिवारी सहित समाजजन उपस्थित थे।
डोल ग्यारस पर धूमधाम से निकलते हैं अखाड़े उल्लेखनीय है कि शाजापुर में डोल ग्यारस पर रात में धूमधाम से अखाड़े निकाले जाते हैं, जिनमें विभिन्न समाज और संगठन के अखाड़े हिस्सा लेते हैं। अखाड़े में शामिल युवा अखाड़े की कलाबाजियों का प्रदर्शन करते हैं। सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा भी इस आयोजन में उत्साह पूर्वक भागीदारी की जाती है। समाज अध्यक्ष दिलीप शर्मा एवं भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि बीते कुछ वर्ष से सर्व ब्राह्मण समाज की अखाड़े की कलाबाजी से संबंधित गतिविधियां नियमित नहीं हो पा रही थी, जिसे देखते हुए अखाड़े की कार्यकारिणी का गठन किया गया है ताकि समाज के युवाओं को अखाड़े की गतिविधियां सिखाई जा सकें और समय-समय पर निकलने वाले चल समारोह में सर्व ब्राह्मण समाज का अखाड़ा भी उल्लेखनीय भूमिका में सहभागी बने।

डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या को लेकर एबीवीपी ने किया प्रदर्शन

छात्र-छात्राओं के साथ पैदल मार्च निकालकर जताया विरोध

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ | शाजापुर, पश्चिम बंगाल में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने को लेकर शाजापुर में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शाजापुर द्वारा शनिवार को बीकेएसएन महाविद्यालय से बस स्टैंड तक छात्र-छात्राओं के साथ पैदल मार्च निकालकर विरोध जताया गया। इस दौरान नगर मंत्री पवन गुर्जर ने बताया कि पश्चिम बंगाल में लगातार अमानवीय घटना सामने आ रही हैं और सरकार उसे दबाने का प्रयास कर रही है जिसको लेकर प्रदर्शन किया गया है। इस मौके पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बारिश नही होने से लोगों को बेचैन कर रही तपीश

सप्ताह के अंत में हो सकती है बारिश

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, मानसून के कमजोर होने से एक बार फिर तपीश लोगों को बेचैन करने लगी है और अधिकतम तापमान में उछाल शुरू हो गया है। हालांकि मौसम विभाग सप्ताह के अंत में अच्छी बारिश की संभावना जता रहा है। बीते करीब पंद्रह दिनों से आसमान पर काले बादलों की आवाजाही बनी हुई है, लेकिन बदरा बेरूखी दिखाते हुए बिना बरसे ही लौट रहे हैं जिसके कारण उमस से लोगों के हाल-बेहाल हैं। शनिवार को भी आसमान पर दिनभर काले बादलों का आना-जाना लगा रहा और बारिश नही होने से अधिकतम तापमान उछलकर 33.0 डिग्री तथा न्यूनतम 24.1 डिग्री पर जा पहुंचा। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि बारिश नही होने से दक्षिण-पश्चिमी गर्म हवाएं 12 किलोमीटर प्रति घंटे की औसत गति से चलते हुए बेचैन करती रहीं। वहीं मौसम विभाग की मानें तो आगामी 22 अगस्त को मानसून सक्रिय होकर झमाझम की झड़ी लगा सकता है और बादलों के बरसने का सिलसिला एक सप्ताह तक जारी रह सकता है। यदि मौसम विभाग का यह अनुमान सही साबित हुआ तो लोगों का तेज बारिश का सपना पूरा होने के साथ चीलर जलाशय लबालब हो सकता है।
नही बढ़ रहा चीलर बांध का जल स्तर गौरतलब है कि करीब एक पखवाड़े से लोग तेज बारिश का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन काली घटाए हैं कि बिना बरसे ही लौट रही हैं। झमाझम बारिश नही होने से सांपखेड़ा स्थित चीलर बांध का जल स्तर भी स्थिर बना हुआ है। हालांकि बांध में 13 फीट के इर्द-गिर्द पानी जमा हो चुका है और यह पानी वर्षभर तक शाजापुर शहर के बाशिंदों की प्यास बुझाने के लिए पर्याप्त है। वहीं बांध पूरी तरह से लबालब होने पर किसानों को सिंचाई हेतु रबी फसल के दौरान पानी दिया जा सकेगा।

बड़ोदिया कालेज में एंटी रैगिंग सप्ताह का समापन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, उच्च शिक्षा के सर्वोच्च नियामक संस्थान यूजीसी के निर्देशानुसार गत 12 अगस्त को आयोजित एंटी रैगिंग दिवस से प्रारंभ हुए, एंटी रैगिंग सप्ताह का शासकीय महाविद्यालय, मोहन बड़ोदिया में आज समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया।
सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. के. तिवारी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कालेज ही नहीं जीवन के हर क्षेत्र में इस बात का प्रचार व व्यवहार करें कि हम मनसा, वाचा , कर्मणा रैगिंग जैसे घृणित कृत्य के विरोध में हैं। वहीं उन्होने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में सतत उपस्थित रहने व कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी प्रेरित किया। डॉ अंजनी कुमार तिवारी ने अपने उद्बोधन में रैगिंग का निषेध सिर्फ कागज पर या समारोही औपचारिकता भर न होकर वास्तविक जीवन में उसके अनुकरण की बात कही।
कार्यक्रम प्रभारी, संचालक एवं एंटी रैगिंग कमेटी के संयोजक डॉ. केशव शर्मा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया और सप्ताह की गतिविधियों के रूप में गत 14 अगस्त को रैगिंग निषेध पर स्लोगन प्रतियोगिता, 16 अगस्त को रैगिंग - कारण, परिणाम और निदान विषय पर निबंध प्रतियोगिता तथा 17 अगस्त को एंटी रैगिंग थीम पर आयोजित पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता के परिणाम जारी किये। स्लोगन में रोहित कुंभकार, बीए प्रथम वर्ष ने प्रथम, मोनिका भारती , बीए तृतीय ने द्वितीय तथा राधा सूर्यवंशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध में राधा सूर्यवंशी बी ए द्वितीय ने प्रथम, उर्मिला राजपूत व मोनिका भारती ने द्वितीय और निशा विश्वकर्मा , बीए प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं पोस्टर रचना में रोहित परिहार बीए द्वितीय वर्ष ने प्रथम, शिवानी सूर्यवंशी ने द्वितीय और अभिलाषा पाटीदार तथा रोहित मालवीय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
आभार प्रदर्शन डॉ राजकुमार सूत्रकार ने किया । कार्यक्रम में अभय भोंसले , डॉ. वंदना मंडोर, गोपाल वर्मा व मोहन सूर्यवंशी सहित बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत में आयोजित हुआ सरपंचों का प्रशिक्षण

पन्ना
पंचायती राज व्यवस्था अंतर्गत जिला पंचायत कार्यालय पन्ना में जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग, अनुसूचित जाति वर्ग, महिला सरपंचो एवं अन्य इच्छुक सरपंचों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें सरपंचों को उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में जिले के 104 ग्राम पंचायत के सरपंच उपस्थित हुए। ग्राम पंचायत की संरचना, शक्तियां एवं कार्य तथा सरपंच की शक्तियां एवं कर्त्तव्य के बारे में विस्तार से प्रस्तुतीकरण सीईओ जिला पंचायत संघ प्रिय द्वारा दिया गया। ग्राम पंचायत के पास उपलब्ध राशि के व्यय की प्रक्रिया एवं व्यय करने में सरपंचों की भूमिका के संबंध में जानकारी दी गई। सरपंचों को समझाया गया कि ग्राम पंचायत का संचालन वे स्वयं करें, किसी अन्य प्रतिनिधि को अपने अधिकारों का दुरुपयोग न करने दें।
प्रशिक्षण में शासन द्वारा संचालित की जाने वाली योजनाओं की जानकारी एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में ग्राम पंचायत की भूमिका के बारे में अवगत कराया गया। सरपंचों को उपयोगी और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य स्वीकृत करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया एवं स्वयं के आय के स्रोत बढ़ाने हेतु साधनों को विकसित करने का निर्देश दिया गया। ग्राम पंचायत कार्यालय में संधारित किए जाने वाले अभिलेखों की जानकारी सभी सरपंचों को दी गई। ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत किए जाने वाले नवीन निर्माण कार्यों की प्रक्रिया के बारे में सभी को बताया गया एवं पंचायत में प्रगतिरत निर्माण कार्यों की निगरानी के संबंध में निर्देशित किया गया। ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत सभी विभागों के कर्मचारियों की मॉनिटरिंग के लिए सरपंचों को अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे परमार एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष संतोष यादव द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में सीईओ जिला पंचायत संघ प्रिय सहित अतिरिक्त सीईओ अशोक चतुर्वेदी, परियोजना अधिकारी पीयूष मिश्रा एवं संजय परिहार, मास्टर ट्रेनर प्रतीक तिवारी भी उपस्थित रहे।

संपूर्णता अभियान और मधुमेह निश्चय अभियान के क्रियान्वयन हेतु बैठक आयोजित कर दिए निर्देश

विदिशा

संपूर्णता अभियान आकांक्षी जिला विदिशा के साथ-साथ गंजबासौदा ब्लॉक को भी आकांक्षी ब्लॉक की श्रेणी में सम्मिलित किया गया है। आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक को उनकी श्रेणी से ऊपर लाने की दिशा में कार्य करने के तौर तरीकों पर चर्चा हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी के निर्देशन में आज आशा सुपरवाइजर एवं एएनएम को संपूर्णता अभियान एवं मधुमेह निश्चय अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। बैठक में बताया गया कि जिले में जितनी भी गर्भवती माताएं हैं

आशाओं के माध्यम से घर-घर सर्वे कराया जाकर 3 माह अवधि के अंदर उनका पंजीयन अनिवार्य रूप से होकर प्रथम जांच का कार्य किया जाए। शत प्रतिशत गर्भवतियों की चार जांच उनका टीकाकरण एवं एक वर्ष के अन्दर बच्चों का पूर्ण टीकाकरण होना अति आवश्यक है। साथ ही 30 वर्ष से ऊपर के सभी महिला-पुरुषों का ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच कर उनको उचित स्वास्थ्य शिक्षा एवं उपचार दिया जाए। इसके लिए सभी आशाओं को जागरूक करें। क्षेत्र में प्रभाव शाली व्यक्तियों की बैठक कर उनका सहयोग करें मदर मीटिंग, सास बहू सम्मेलन करें ताकि संपूर्णता अभियान का सफल क्रियान्वयन हो सके। इसी के साथ 15 अगस्त 2024 से प्रारंभ मधुमेह निश्चय अभियान के बारे में भी जिला छह अधिकारी डॉक्टर समीर किरार ने बताया गया कि मधुमेह रोगियों का घर-घर सर्वे कराया जाए एवं जो भी व्यक्ति मधुमेह से पीड़ित पाया जाए उन सभी व्यक्तियों की क्षय रोग की जांच कराई जाएगी। यह कार्य अभियान के रूप में एक माह तक संचालित किया जाएगा। उक्त अवधि में सभी मधुमेह रोगियों की छह रोग की जांच करना आवश्यक है अत: सभी इस कार्य को प्राथमिकता के साथ कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी ने सभी अधिकारी, कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति करें।

इंदौर शहर के 21 चौराहों पर यातायात को सुगम बनाने के विशेष प्रयास जारी

इंदौर

नायता मुंडला बस स्टैंड एक सितंबर से होगा प्रारंभ

बार-बार समझाइश के बाद भी सड़क और फुटपाथों से अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई

कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न.

इंदौर शहर में चौराहों पर यातायात को सुगम बनाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। चौराहों पर लेफ्ट टर्न चौड़े करने, इंजीनियरिंग एवं तकनीकी सुधार सहित अन्य जरूरी निर्माण कार्य करने के कार्य तेजी से जारी है। इसके लिए शहर के 21 चौराहों पर उक्त कार्य नगर निगम, यातायात पुलिस, नेशनल हाईवे, एमपीआरडीसी, इंदौर विकास प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित विभागों के माध्यम से कार्ययोजना बनाकर करवाए जा रहे हैं। इन्हीं कार्यों की समीक्षा के लिए आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, डीसीपी ट्रैफिक श्री अरविंद तिवारी, अपर आयुक्त नगर निगम श्री अभिलाष मिश्रा, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना लोवंशी तथा श्री रोशन राय सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर शहर में यातायात को सुगम बनाने संबंधी विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की। बैठक में बताया गया कि आगामी एक सितंबर से नायता मुंडला स्थित बस स्टैंड से बसों का संचालन प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस बस स्टैंड से वर्तमान में प्रदेश से बाहर जाने वाली बसें संचालित होगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने एक सितंबर से पूर्व बस स्टैंड पर सभी व्यवस्थाएं और इससे जुड़े हुए मार्गों की आवश्यक मरम्मत करने के निर्देश भी दिए। बैठक में बताया गया कि पिछले दिनों कलेक्टर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शहर के जिन 21 चौराहों पर यातायात को सुगम बनाने के संबंध में निरीक्षण किया गया था उस दौरान लिए गए निर्णय और दिए गए निर्देशों पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। उक्त चौराहा पर कार्य योजना बनाकर लेफ्ट टर्न चौड़ा करने, तकनीकी एवं अन्य सुधार कार्य करने, डिवाइडर आदि लगाने, यातायात सिग्नल को पुनर्नियोजित करने और आवश्यक निर्माण करने का कार्य तेजी से जारी है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने फुटपाथ और सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई के निर्देश दिए।

सभी कर्मचारियों को माह की प्रथम तारीख को वेतन जारी करें - श्री सोमेश मिश्रा

मंडला

कलेक्टर ने किया जनपद पंचायत घुघरी का निरीक्षण

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने आज जनपद पंचायत घुघरी का निरीक्षण करते हुए विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी, कर्मचारी योजनाओं के प्रावधान तथा प्रक्रियाओं को बेहतर तरीके से समझते हुए उनका पालन सुनिश्चित करें। कार्यालय की साफ सफाई पर ध्यान दें। पुरानी नस्तियों को व्यवस्थित तरीके से रखें। कर्मचारियों को कार्य करने के लिए बेहतर वातावरण तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि सभी कर्मचारियों को माह की प्रथम तारीख को वेतन जारी करें। कर्मचारियों के सभी स्वत्वों का समय पर भुगतान करें। विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने निर्देशित किया कि मनरेगा में रोजगारमूलक कार्यों को प्राथमिकता प्रदान करें। प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्यों को बेहतर गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा कराएं। हितग्राहियों को समुचित मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करें। उन्होंने हितग्राहियों की जानकारी के संबंध में ग्राम पंचायत स्तर पर रजिस्टर संधारित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम घुघरी सीएल वर्मा, सहायक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग एलएस जगेत, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गायत्री कुमार सारथी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत जेएसटी महाविद्यालय में हुआ पौधरोपण

बालाघाट

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय में शनिवार को प्राचार्य डॉ. पीआर चंदेलकर के संरक्षण में एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ एम.एस. मरकाम विभागाध्यक्ष प्राणी शास्त्र विभाग के मार्गदर्शन में, एनएसएस बैतूल के जिला संगठक डॉ सुखदेव डोंगरे द्वारा, अर्चना सोनी सहायक प्राध्यापक प्राणी शास्त्र इको क्लब प्रभारी की उपस्थिति में परिसर में पौधारोपण किया गया। जिसमें आम नीम, महुआ, प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा मानव प्रजाति के संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी है। वहीं विद्यार्थियों को जैव विविधता के संरक्षण के महत्व एवं प्रकृति को संरक्षित करने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ चंदेलकर ने विद्यार्थियों को पौधरोपण के लिए प्रेरित किया तथा पर्यावरण हितैषी जीवन शैली अपनाने को कहा। कार्यशाला में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान डॉ शाजिया तबस्सुम, डॉ पुष्पलता कमलेशिया एवं महाविद्यालय के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुंभराज में पदस्थ पटवारी को राजस्व अभियान 2.0 के अंतर्गत कार्य नहीं करने के कारण किया गया निलंबित

गुना

अनुविभागीय अधिकारी चांचौड़ा श्री रवि मालवीय द्वारा कुंभराज में पदस्थ पटवारी श्री गोविन्द ठाकुर, पटवारी ह.नं. 07-खजूरिया, तहसील कुंभराज, को राजस्व महाअभियान 2.0 अन्तर्गत कार्य नहीं करने, त्रुटि सुधार कार्य एवं वरिष्ठ अधिकारियों को भ्रामक जानकारी देने से निलंबित किये जाने के आदेश जारी किये गये हैं । जारी आदेशनुनसार कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर तहसील कुंभराज का निरीक्षण के दौरान पटवारियों की बैठक में राजस्व महा-अभियान 2.0 अंतर्गत राजस्व संबंधी कार्यों का तत्परता से निष्पादन किये जाने के निर्देश दिये गये हैं समीक्षा के दौरान पाया गया कि श्री गोविन्द ठाकुर, पटवारी ह.नं. 07-खजूरिया, तहसील कुंभराज, जिला गुना द्वारा अपने प्रभार के हल्के में राजस्व महा-अभियान 2.0 में कोई कार्य नहीं किया गया है तथा त्रुटि सुधार का कोई प्रकरण तैयार नहीं किया गया है। श्री गोविन्द ठाकुर द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को भ्रामक जानकारी उपलब्ध कराई गई और म.प्र. शासन के राजस्व महा-अभियान जैसे महत्वपूर्ण कार्य करने में कोई रूचि नहीं ली गयी । राजस्व महाअभियान 2.0 जैसे महत्वपूर्ण अभियान में लपरवाही बरतने तथा त्रुटि सुधार कार्य एवं वरिष्ठ अधिकारियों को भ्रामक जानकारी उपलब्ध जैसे महत्वापूर्ण कार्य में स्वेच्छारिता एवं लापरवाही बरतने के कारण उन्हें म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंतरण तथा अपील) नियम 1966 का नियम 09 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय कुंभराज रहेगा। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता रहेगी।

आगामी त्यौहार को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्यवाही जारी

विदिशा

खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के सैंपल लेने की कार्यवाही की

आगामी त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कार्य जारी है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने आज विदिशा नगर के प्रेमी नमकीन स्वर्णकार कॉलोनी विदिशा से मिल्क केक का सैंपल एवं मधुबन स्वीट्स किरी मोहल्ला विदिशा से मावा का सैंपल एकत्रित किया। उक्त सभी सैम्पल जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को भेजे गये हैं। जिनकी जांच रिपोर्ट आने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं, मिठाई विक्रेता को सख्त निर्देश दिए गए हैं की मिठाई को ढंककर रखें, साफ सफाई बनाए रखें। गंदगी पाई जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। सभी खाद्य कारोबारकर्ता (दूध विक्रेता, डेयरी संचालक, दूध एवं दूध पदार्थ का परिवहन करने वाले, किराना व्यापारी, फल सब्जी विक्रेता, खाद्य पदार्थ थोक विक्रेता, फुटकर विक्रेता, चाय नाश्ता की दुकान, हॉकर, आदि) को खाद्य लाइसेंस, पंजीयन लेना अनिवार्य है। बिना खाद्य लाइसेंस, पंजीयन के व्यापार करना अपराध है।

शासकीय अशासकीय शालाओ के संस्था प्रमुखों की बैठक हुई सम्पन्न

बालाघाट

जनपद शिक्षा केन्द्र बालाघाट में शनिवार को शासकीय/अशासकीय शालाओ के संस्था प्रमुखों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें एसडीएम श्री गोपाल सोनी , जिला शिक्षा केन्द्र से एपीसी श्री योगेश बिसेन, नव भारत साक्षर के जिला समन्वयक श्री कवन लाल पटले, जनपद शिक्षा केंद्र से बीआरसी श्री महेंद्र कुमार शरणागत, समस्त बीएसी, एमआईएस समन्वयक भूपेंद्र राहंगडाले व सीएसी उपस्थित हुए। इस दौरान एसडीएम श्री सोनी द्वारा जीर्ण शीर्ण भवनों में शालाओ का संचालन नही करने, शालाओ में दर्ज संख्या बढ़ाने एवं पुस्तक वितरण के बारे में जोर दिया गया। बैठक में डीआईईएस, टेक्स्टबुक, मैपिंग, रजिस्ट्रेशन, एनएएस, ओलिंपियाड, एनएमएमएस आदि विषयो पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही प्रधान पाठको से फीडबैक भी लिया गया।

समग्र ई-केवायसी व दस्तावेजों से लिंक करने का काम तेजी से पूर्ण करें- कलेक्टर

ग्वालियर

गाँव-गाँव पटवारी, जीआरएस व कोटवार संयुक्त रूप से कर रहे हैं ई-केवायसी का काम

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कुलैथ पहुँचकर किया निरीक्षण

सभी एसडीएम व राजस्व अधिकारियों को सौंपी है 5-5 गाँवों की मॉनीटरिंग की जिम्मेदारी शेष सभी किसानों की समग्र ई-केवायसी एवं खसरे से लिंक करने का काम तेजी से पूरा करें। राजस्व महा अभियान के तहत इस कार्य को समय सीमा में पूरा किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने दिए। श्रीमती चौहान शनिवार को ग्राम कुलैथ में इस कार्य के निरीक्षण के लिए पहुँची थीं। उन्होंने नक्शा तरमीम का कार्य भी अभियान बतौर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम ग्वालियर सिटी अतुल सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत राजस्व महा अभियान के तहत समय सीमा में ई-केवायसी व भू-अभिलेखों से लिंकेज का कार्य करने के लिए जिले में विशेष व्यवस्था लागू की है।

सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में सकारात्मक रूप से निराकरण करें - श्री मिश्रा

कलेक्टर ने किया घुघरी में तहसील एवं एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण

मंडला कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने शनिवार को घुघरी में तहसील एवं एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण करते हुए सीमांकन, बटवारा, नामांकन एवं भूमि आवंटन के लम्बित प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी प्रकरणों को समय पर निराकृत करें। अधिक समय से लम्बित प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करें। सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में सकारात्मक रूप से निराकरण करें। कार्यालयों के रखरखाव एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें। श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि क्षेत्र के जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों का चिन्हांकन कर उन्हें गिराने के लिए नियमानुसार कार्यवाही करें। लोगों को जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों के नजदीक जाने से रोकने के लिए संकेतक लगाएं। राहत से संबंधित प्रकरणों के निराकरण में संवेदनशीलता बरतें। इस दौरान एसडीएम घुघरी सीएल वर्मा सहित संबंधित उपस्थित रहे।

वर्ल्ड फोटोग्राफी डे के उपलक्ष में बैजाताल स्थित रीजनल आर्ट एण्ड क्राफ्ट सेंटर में लगाई गई दो दिवसीय प्रदर्शनी

ग्वालियर

वर्ल्ड फोटोग्राफी डे 19 अगस्त के उपलक्ष में यहाँ बैजाताल के समीप स्थित रीजनल आर्ट एण्ड क्राफ्ट डिजाइन सेंटर में शहर के शौकिया फोटोग्राफर ग्रुप क्लिकर्स ऑफ ग्वालियर ने दो दिवसीय आकर्षक फोटो प्रदर्शनी लगाई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शनिवार को इस फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। यह फोटो प्रदर्शनी शहर के नागरिकों को प्रकृति, वाइल्ड लाइफ और पक्षियों के संरक्षण व उनके प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से लगाई गई है। प्रदर्शनी में वाइल्ड लाइफ व प्रकृति पर केन्द्रित एक से बढ़कर एक आकर्षक फोटोग्राफ प्रदर्शित किए गए हैं। ये फोटोग्राफ शहर के प्रकृति प्रेमी एवं शौकिया फोटोग्राफर्स द्वारा क्लिक किए गए हैं। प्रदर्शनी में सुश्री अक्षरा गुप्ता, देवयानी हलवे, अपूर्वा जादौन व आशी गुप्ता तथा सर्वश्री संजय दत शर्मा, हिमांशु शर्मा, राजेश्वर रायपुरिया, सुशील शर्मा, नवदीप चव्हाण, मनोहर गेरा, रितेश गर्ग, रविन्द्र बंसल, मकबूल शेख व राहुल गर्ग ने अपने -अपने फोटोग्राफ प्रदर्शित किए हैं।

जिले की 196420 लाड़ली बहनों के द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को रक्षा सूत्र भेजे गए

झाबुआ

लाड़ली बहनों का प्रयास अविस्मरणीय, कम समय में राखी एकत्र कर मुख्यमंत्री को भेजी गई

मध्यप्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत लाड़ली बहनों को प्रतिमाह 1250 रुपये की राशि दी जाती है, रक्षाबन्धन के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 250 रूपये अतिरिक्त राशि 10 अगस्त को सिंगल क्लिक माध्यम से समस्त लाड़ली बहनों को हस्तान्तरित की गयी। जिससे जिले की 196420 लाड?ली बहने लाभान्वित हुई। भाई - बहन के अटूट प्रेम को प्रदर्शित करने वाले पर्व रक्षाबन्धन के उपलक्ष्य में जिले की 196420 लाड?ली बहनों के द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को रक्षा सूत्र भेजे जा रहे है। जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग अमले ने लाड़ली बहनों को मुख्यमंत्री की आभार पाती भेंट कर उनसे राखियाँ एकत्र करने का काम किया है। जिले की इस उपलब्धि पर कैबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग का कहना है कि जिले कि लाड़ली बहनों का मुख्यमंत्री के प्रति प्रेम को देखकर अभिभूत हूँ, अपने गृह

जिले से इस प्रकार का प्रयास किया गया जो कि पूरे प्रदेश में मिसाल स्थापित करेगा, यह अत्यन्त ही प्रशंसनीय है। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा कहा गया कि हमारी संस्कृति में भाईचारा व्याप्त है और इस प्रकार की पहल के माध्यम से हम प्रदेश स्तर पर भी अविस्मरणीय छाप छोड़ रहे है। उन्होंने महिला एवं बाल विकास के अमले के प्रयासों एवं इस पहल के लिए साधुवाद प्रेषित किया। आज रक्षा सूत्र एकत्रित करने करने का कार्य कलेक्टर कार्यालय मे संपन्न हुआ, जिसे समस्त सीडीपीओ के माध्यम से जिला मुख्यालय पर लाया जिसे मुख्यमंत्री के पास भोपाल प्रेषित किया जाएगा। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारो महिला एवं बाल विकास विभाग श्री राधुसिंह बघेल, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्री अजय सिंह चौहान एवं विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने रक्षाबंधन त्यौहार के दृष्टिगत लिए मावा एवं मिठाई के सैम्पल

गुना कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र के निर्देशानुसार एवं डॉ0 राजकुमार ऋषीश्वर अभिहित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला गुना के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों की निरंतर जाँच एवं फूड सैंपलिंग की कार्यवाही की जा रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जय स्तंरभ चौराहा गुना स्थित शिमला स्वीटस से मावा एवं गुलाब जामुन, बीकानेर मिष्ठान भण्डार से मावा एवं मलाई बर्फी, रतलामी स्वीट्स से मावा एवं मिल्क केक, तेलघानी गुना स्थित राजश्री स्वीट्स से मावा एवं बर्फी के नमूने जांच हेतु लिये गये। उक्त सभी सैम्पल जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को भेजे गये हैं। विभागीय अधिकारियों द्वारा मिठाई विक्रेताओं को त्यौहार पर शुद्ध एवं ताज़ा खाद्य सामग्री बेचने के लिए निर्देशित किया गया है। कलेक्टर डॉ. सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच एवं सैम्पलिंग कार्यवाही निरंतर जारी है।

ई-केवायसी कार्यों का जायजा

विदिशा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले में ई-केवायसी संबंधी तमाम कार्य शीघ्र अतिशीघ्र पूरे किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सभी एसडीएम को उक्त कार्य की लीडरशिप लेते हुए हर रोज भ्रमण कर कार्यों को संपादन करा रहे अमले पर सतत् नजर रखते हुए विशेष निरीक्षणों का क्रियान्वयन करें। कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशों के अनुपालन में ग्राम पंचायतों में उक्त कार्य शिविरों की तर्ज पर क्रियान्वित किया जा रहा है। इन कामों जायजा लिया जा रहा है। इसी कड़ी के तहत आज बासौदा अनुविभागीय राजस्व अधिकारी एसडीएम श्री विजय राय तथा अतिरिक्त तहसीलदार श्रीमती सविता पटेल ने आज राजस्व महाभियान 2.0 के अंतर्गत तहसील बासौदा के ग्राम, ऊहर, मालीखेडी, अंबानगर, मेहमूदा ग्राम में संचालित ई-केवायसी एवं नक्शा तरमीम के कैंपों का औचक निरीक्षण किया है। जिसमें ग्राम पटवारी, पंचायत सचिव एवं जीआरएस उपस्थित पाए गए।

एयर इंडिया की केबिन क्रू सदस्य पर लंदन में हमला, जांच में जुटी पुलिस

नेशनल डेस्क. एयर इंडिया के एक केबिन क्रू सदस्य पर लंदन में हमला होने की खबर है। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि केबिन क्रू के साथ दुष्कर्म किया गया है। हालांकि, इस मामले की जांच लंदन पुलिस द्वारा जारी है और एयरलाइन की तरफ से भी आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। घटना लंदन के एक प्रसिद्ध होटल चेन के कमरे में हुई है। एयर इंडिया ने इस घटना की पुष्टि की है और बताया है कि कर्मचारी पर शारीरिक हमला किया गया। शनिवार देर रात एयर इंडिया ने लंदन के एक होटल में हुई अवैध घुसपैठ की घटना पर बयान जारी कर कहा कि वह इस समय पीड़ित महिला को पूरी सहायता प्रदान कर रही है। इसके साथ ही एयर इंडिया उसके सहकर्मियों को भी इस कठिन समय से उबरने में मदद करने के लिए पेशेवर परामर्श दे रही है।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा- एयर इंडिया अपने क्रू और स्टाफ की सुरक्षा और भलाई को सबसे यादा महत्व देती है। हम एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय होटल में हुई अवैध घुसपैठ की घटना से बहुत दुखी हैं, जिसमें हमारे एक क्रू सदस्य को नुकसान पहुंचा है। हम अपनी सहकर्मी और उनकी टीम को पेशेवर परामर्श और पूरी सहायता प्रदान कर रहे हैं। एयर इंडिया स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर कानूनी कार्रवाई कर रही है और होटल प्रबंधन के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि ऐसी घटनाएं भविष्य में न हों। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि इसमें शामिल लोगों की गोपनीयता का सम्मान किया जाए।

बता दें लंदन पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। एयर इंडिया ने अनुरोध किया है कि मामले में शामिल क्रू मेंबर की निजता का सम्मान किया जाए। एयरलाइन ने यह भी पुष्टि की है कि वह स्थानीय अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है ताकि घटना की पूरी जांच हो सके और पीड़ित को न्याय मिल सके। हालांकि, एयरलाइन ने उन रिपोर्टों पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है, जिनमें कहा गया है कि चालक दल के सदस्य के साथ दुष्कर्म हुआ है।

न्यूयॉर्क के मेयर की बड़ी गलती

स्वतंत्रता दिवस भाषण में भारत को बार-बार कहा पाकिस्तान

न्यूयॉर्क ।न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर क्वींस में आयोजित एक समारोह में अपने भाषण में कई बार भारत को गलती से 'पाकिस्तान कहकर संबोधित किया। एडम्स शनिवार को क्वींस में आयोजित 'इंडिया डे परेड में शामिल हुए। उन्होंने जिस मंच से प्रवासी समुदाय को संबोधित किया, उसे भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रंग वाले गुब्बारों से सजाया गया था और उस पर एक बैनर लगा था, जिस पर लिखा था ''मेयर एडम्स सेलिब्रेट्स द इंडियन कम्युनिटी। समारोह में एडम्स खुद भी भारत के रंग में रंगे दिखाई दिए। उन्होंने भारत और अमेरिका का राष्ट्रीय ध्वज थामा हुआ था।

वह चारों तरफ से भारतीय समुदाय के लोगों से घिरे हुए थे, जो भारत का झंडा हवा में लहरा रहे थे। इन सब के बावजूद एडम्स ने जब अपना संबोधन शुरू किया, तो उन्होंने तीन बार भारत की जगह गलती से पाकिस्तान का नाम लिया। एडम्स ने कहा, ''हमने इस सप्ताह की शुरुआत में बॉलिंग ग्रीन में ध्वज लहराया.... बड़ी संख्या में इस समुदाय के लोग कानून प्रवर्तन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ये वे पाकिस्तानी अधिकारी हैं, जो आगे बढ़ रहे हैं, जिनकी संख्या में वृद्धि हो रही है और जो लगातार दिखा रहे हैं कि जन सुरक्षा हमारी समृद्धि के लिए अहम है।

उन्होंने कहा, ''मुझे यहां बुलाने के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं इस समुदाय को बहुत समय से जानता हूं, छोटे पाकिस्तान और क्वींस से, छोटे पाकिस्तान और ब्रुकलिन से, आप हमारे शहर की एक प्रमुख नींव हैं, तो चलिए आपकी आज़ादी का जश्न मनाते है। तभी भीड़ में से किसी ने चिल्लाकर कहा 'भारत , 'भारत की बात हो रही है।

रूस में लगे भूकंप के जबरदस्त झटके

रिक्टर स्केल पर 7.0 रही तीव्रता सुनामी की चेतावनी जारी

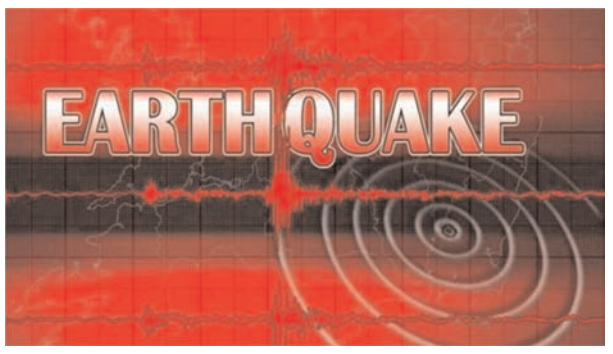

इटंरनेशनल डेस्कः रूस में रविवार को रिक्टर स्केल पर 7 तीव्रता का भूकंप आया। संयुक्त राज्य भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधिकारियों के मुताबिक भूकंप का केंद्र पूर्वी कामचटका प्रायद्वीप का तट था। वहीं भूकंप के झटके इतने तेज थे कि सुनामी की चेतावनी भी जारी कर दी गई है।

बता दें कि संयुक्त राज्य भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधिकारियों के मुताबित यह भूकंप सुबह सात बजे के बाद आया। इसका केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की शहर से लगभग 90 किलोमीटर पूरब में लगभग 50 किलोमीटर की गहराई पर था।

क्यों आता है भूकंप?

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में गोलीबारी में 2 लोगों की मौत व दो घायल

कैलिफोर्निया। अमेरिका में कैलिफोर्निया के ओकलैंड में शनिवार सुबह गोलीबारी की एक घटना में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया पुलिस ने यह जानकारी दी।ओकलैंड पुलिस विभाग ने एक बयान में बताया कि अधिकारियों को पूर्वी ओकलैंड के आवासीय क्षेत्र में 83वें एवेन्यू के 1600 ब्लॉक में हुई इस घटना की सूचना सुबह करीब नौ बजे मिली, जहां दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी और दो अन्य को अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस ने बताया कि कई लोगों के बीच बहस हो रही थी। उसने बताया कि इसी बीच एक व्यक्ति ने बंदूक निकालकर गोलीबारी कर दी और वह एक वाहन से मौके से फरार हो गया। ओकलैंड 4,00,000 की आबादी वाला शहर है, जो अपराध और जन सुरक्षा की समस्या से जूझ रहा है।

दिल्ली में छाए रहेंगे बादल तो केरल में भारी बारिश की संभावना

नेशनल डेस्क । दिल्ली में रविवार को मौसम काफी बदलता रहेगा, जहां आसमान में बादल छाए रहने के साथ-साथ हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 14 राज्यों के विभिन्न हिस्सों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिससे इन क्षेत्रों में मौसम की स्थिति को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, झारखंड, तमिलनाडु, उत्तराखंड, केरल, कर्नाटक, जम्मू, असम, मेघालय,उत्तर प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम इन राज्यों में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान में, जहां भारी बारिश ने पिछले दिनों परेशान किया था, अब राहत की उम्मीद जताई जा रही है। राज्य के कई जिलों और संभागों में बारिश थमने की संभावना है। 17 से 22 अगस्त के बीच, राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहने और धूप खिलने की संभावना है। हालांकि, अगस्त के अंतिम सप्ताह में भारी बारिश का एक और दौर आ सकता है। दिल्ली की बात करें तो शनिवार को अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.5 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस मौसम के लिए सामान्य है। आर्द्रता का स्तर 74 प्रतिशत से 92 प्रतिशत के बीच रहा। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को दिल्ली में आसमान में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का अनुमान है।

अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (त्तक्ष्) शाम चार बजे 74 दर्ज किया गया, जो कि 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। केरल में अगले 5 दिनों के दौरान भारी बारिश केरल में अगले पांच दिनों के दौरान भारी बारिश और तेज हवाओं का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने केरल के चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। शनिवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में रुक-रुक कर वर्षा होती रही, जिससे कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया। मनीमाला और पंबा नदियों में जलस्तर विशेष रूप से बढ़ा है।

IMD ने इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट किया जारी

मौसम विभाग के अनुसार, पत्तनमथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की और एर्नाकुलम जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है, जहां 11 से 20 सेंटीमीटर तक वर्षा हो सकती है। इन जिलों में रविवार और सोमवार के लिए भारी वर्षा की आशंका है। इसके साथ ही, तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पत्तनमथिट्टा, अलपुझा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्नाकुलम और त्रिशूर जिलों में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

इजराइली के दक्षिणी लेबनान पर हमले में महिला और बच्चों सहित 10 लोगों की मौत

बेरूत। दक्षिणी लेबनान में शनिवार तड़के इजराइल द्वारा किये गये एक हमले में कम से कम 10 सीरियाई नागरिकों की मौत हो गयी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। हमास के दक्षिणी इजराइल पर हमले के एक दिन बाद आठ अक्टूबर को हिजबुल्ला उग्रवादी समूह और इजराइली सेना के बीच एक-दूसरे पर हमले किये जाने के बाद से नाबातीह प्रांत के वादी अल-कफूर पर यह हमला लेबनान पर किए गए सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है।

हिजबुल्ला का कहना है कि जब तक गाजा पट्टी में युद्ध विराम नहीं हो जाता तब तक वह अपने हमले बंद नहीं करेगा।

मंत्रालय के मुताबिक, मृतकों में एक महिला और उसके दो बच्चे शामिल हैं। पांच अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। इजराइली मंत्रालय के प्रवक्ता अविचय अद्री ने बताया कि दक्षिणी प्रांत में हुए इस हमले में हिजबुल्ला के हथियार डिपो को निशाना बनाया गया था। वादी अल-कफूर में बूचड़खाना चलाने वाले मोहम्मद शोएब ने बताया कि हमला एक 'औद्योगिक और नागरिक क्षेत्र% में किया गया, जहां ईंट, धातु और एल्युमीनियम बनाने वाली फैक्टरियां और एक डेरी फार्म भी था। हिजबुल्ला ने हमलों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। लेबनान की सरकार और कई अन्य देशों के मुख्य नेता महीनों से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए कई सप्ताह से प्रयास कर रहे हैं।

उदयपुर हिंसा के बाद सरकार का बड़ा कदम

स्कूलों में बच्चों के बैग और डेस्क पर रखी जाएगी पैनी

नेशनल डेस्क। राजस्थान में उदयपुर शहर के एक राजकीय विद्यालय में स्कूली बच्चों के विवाद में चाकूबाजी की घटना को गंभीरता से लेते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने राज्य के राजकीय एवं निजी विद्यालयों के संस्था प्रधानों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशिष मोदी ने शनिवार को जारी निर्देशों में कहा कि विद्यालय में किसी भी प्रकार का धारदार हथियार, नुकीली वस्तुएं आदि लानी निषिद्ध रहेंगी। इसके तहत किसी भी प्रकार के धारदार हथियार जैसे चाकू, छूरी, धारदार कैंची या किसी भी नुकीली वस्तु को विद्यालय में लाना सख्त मना है। ऐसे किसी भी वस्तु का लाना एवं प्रयोग सुरक्षा और अनुशासन के नियमों का उल्लंघन मानते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। आदेश में संस्था प्रधान, शिक्षक और अभिभावकों के दायित्व भी निर्धारित किए हैं।

आदेश में कहा कि संस्था प्रधान इसकी उद्घोषणा आदेश के रूप में सूचना पट्ट पर चस्पा करेंगे। साथ ही प्रार्थना सभा में भी इस संबंध में जानकारी देंगे। ऐसे विष्ज्ञय पर अध्यापक-अभिभावक परिषद की बैठक में चर्चा भी की जाएगी।

निदेशक ने आदेश में कहा कि शिक्षक रेण्डमली विद्यार्थियों के बैग, डेस्क और व्यक्तिगत वस्तुओं की नियमित जांच करें। साथ ही विद्यार्थियों में अचानक होने वाले व्यवहारगत परिवर्तन पर भी नजर रखते हुए ऐसे विद्यार्थियों के प्रति शिक्षक अतिरिक्त सावधानी रखते हुए संवेदनशील रहें। निदेशक ने अभिभावकों से भी बच्चों को इन वस्तुओं के खतरों के बारे में जागरूक करने, उनके बैग आदि की समय-समय पर जांच करने, बच्चों के व्यवहार में आने वाले परिवर्तन का ध्यान रखने तथा शिक्षक से नियमित संपर्क में रहते हुए बालक को सही मार्गदर्शन दिए जाने की अपेक्षा की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569